आज का सुविचार

अच्छे सब्दों के प्रयोग से बुरे लोगों का भी दिल जीता जा सकता है।
- भगवान बुद्ध

दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड

डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं. MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं. MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-4 अंक-297 भोपाल, बुधवार 8 सितंबर, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-3 रुपए

पंचांग

भाद्रपद कृष्णा
द्वितीय, बुधवार
विक्रम, संवत 2078

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	6:04/6:32
वर्षा/बादल %	20 %
नमी %	70 %
वायु (किमी/घं.)	16
तापमान प्रातः/रात्रि (डिग्री से.)	31°/23°

स्वर्ण दर 24 कैरेट

प्रति 10 ग्राम/1तोला

₹ 48,835

शेयर सूचकांक

बीएसई	58279.48	-17.43
निफ्टी	17362.10	-15.70

बारिश-बाढ़ से पहाड़ी राज्यों में आफत : उत्तराखंड में ऋषिकेश-देहरादून हाइवे पर बना टेम्परेरी पुल बहा, हिमाचल में लैंडस्लाइड के बाद बढ़ी लोगों की परेशानी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी राज्यों में बारिश, बाढ़ और लैंडस्लाइड का कहर जारी है। उत्तराखंड में देहरादून-रानीपोखरी-ऋषिकेश को जोड़ने वाला टेम्परेरी पुल सोमवार रात जाखन नदी के तेज बहाव में बह गया। यहां 27 अगस्त को मुख्य पुल बह गया था। लोगों को आ रही परेशानी को देखते हुए नदी पर एक वैकल्पिक पुल बनाया गया था, जिस पर रविवार शाम को ही आवागमन चालू हुआ था, वह पुल भी बीती रात बह गया। पुल बहने के बाद ऋषिकेश-हरिद्वार हाइवे पर वाहनों का दबाव बढ़ गया है। यहां से घूमकर जाने वालों को ज्यादा दूरी भी तय करनी पड़ेगी।

वाहनों की लंबी कतारें लगीं

लैंडस्लाइड की वजह से राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-5 पर यातायात पूरी तरह से बंद हो गया था। दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गई थीं। किन्नौर से आने-जाने वालों को भारी मुसीबत का सामना करना पड़ा था।

टिहरी में गिरी थीं बड़ी-बड़ी चट्टानें:- इससे पहले सोमवार को उत्तराखंड के टिहरी में बड़ी-बड़ी चट् ?टानें अचानक सड़क पर गिर गई थीं। इस दिन हिमाचल प्रदेश के किन्नौर में भी लैंडस्लाइड हुई थी। यहां रामपुर के ज्योरी क्षेत्र में लैंडस्लाइड के बाद नेशनल हाईवे ब्लॉक हो गया, जिससे लोगों को परेशानी हुई।

प्रशासन ने पहले ही अलर्ट कर दिया था

जिला प्रशासन ने इस घटना से पहले ही इलाके में अलर्ट जारी कर दिया था। ऐहतियातन पुलिस के जवान भी तैनात कर दिए गए थे। जिसकी वजह से किसी भी तरह की जनहानि नहीं हुई। दो दिन पहले से ही यहां पहाड़ों से पत्थर गिरने का क्रम जारी था। इस बात की आशंका प्रशासन को पहले ही हो गई थी कि पहाड़ का बड़ा हिस्सा टूट सकता है।

काबुल में पाकिस्तान विरोधी रैली पर तालिबान ने चलाईं गोलियां

कवरेज कर रहे पत्रकार को गिरफ्तार किया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज काबुल

काबुल में पाकिस्तान विरोधी रैली पर तालिबान ने फायरिंग कर दी। इससे मची भगदड़ में कई महिलाओं के घायल होने की खबर है। वहीं इस प्रदर्शन को कवर रहे कैमरामैन वाहिद अहमदी को तालिबान ने गिरफ्तार कर लिया। बता दें पंजशीर की जंग में पाकिस्तान के दखल से अफगानिस्तान के लोगों में गुस्सा है और वे लगातार दूसरे दिन पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। पाकिस्तान विरोधी प्रदर्शनों में काबुल के लोग गो-बैक पाकिस्तान और आजादी-आजादी के नारे लगा रहे हैं। ऐसा ही एक प्रदर्शन काबुल स्थित पाकिस्तानी दूतावास के बाहर चल रहा था, जिसमें ज्यादातर महिलाएं शामिल थीं। यहां लोगों को तितर-बितर करने के लिए तालिबान ने हवाई फायरिंग कर दी। काबुल में बीती रात भी महिलाओं ने पाकिस्तान के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया और पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए। इसे तालिबान के जुल्मों और पाकिस्तान की घुसपैठ के खिलाफ प्रदर्शन बताया जा रहा है। वैसे तो अफगानिस्तान के अलग-अलग शहरों में महिलाएं पिछले कई दिनों से अपने अधिकारों के लिए प्रदर्शन कर रही हैं, लेकिन काबुल में पहली बार रात में प्रदर्शन हुए हैं। बता दें तालिबान ने पंजशीर की जंग जीतकर पूरे अफगानिस्तान पर कब्जा होने का दावा किया है। बताया जा रहा है कि तालिबान ने पाकिस्तान की मदद से ये लड़ाई जीती है। रेजिस्टेंस फोर्स की अगुवाई कर रहे अहमद मसूद ने भी कहा है कि पाकिस्तान वायुसेना लगातार हमले कर रही है, ताकि तालिबान आगे बढ़ सके।

पंजशीर में पाकिस्तान के दखल की जांच कर रहा ईरान

ईरान ने पंजशीर में तालिबानी हमले की निंदा की है। साथ ही कहा है कि तालिबान के हमलों में पाकिस्तान की भूमिका की जांच कर रहा है। ईरान के विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि अफगानिस्तान की समस्या का समाधान अफगानिस्तान के अंदर ही बातचीत से होना चाहिए। साथ ही चेतावनी दी है कि अंतरराष्ट्रीय कानून के मुताबिक सभी सीमाओं का पालन किया जाना चाहिए।

आतंकी हसन अखुंद बन सकता है प्रधानमंत्री

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मुल्ला मोहम्मद हसन अखुंद को तालिबानी सरकार का प्रमुख बनाया जा सकता है। बता दें अखुंद संयुक्त राष्ट्र की आतंकियों की लिस्ट में शामिल है। हसन अखुंद अफगानिस्तान में तालिबान की पिछली सरकार में मंत्री भी रह चुका है। वह तालिबान के बड़े फैसले लेने वाली रहबरी शूरा का प्रमुख है और तालिबान के गढ़ कंधार से ताल्लुक रखता है।

9/11 की बरसी पर सरकार का ऐलान कर सकता है तालिबान:- अफगानिस्तान में तालिबान की सरकार को लेकर सस्पेंस बना हुआ है। इस बीच मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि तालिबान 11 सितंबर यानी 9/11 के आतंकी हमले की बरसी के दिन नई सरकार का ऐलान कर सकता है।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पिता आगरा से गिरफ्तार

कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा; ब्राह्मणों के खिलाफ बयानबाजी की थी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पिता नंद कुमार बघेल को रायपुर पुलिस ने उत्तर प्रदेश के आगरा से मंगलवार दोपहर गिरफ्तार किया। इसके बाद उन्हें जिला कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। नंद कुमार बघेल पर ब्राह्मणों के खिलाफ बयानबाजी करने का आरोप है। उनके खिलाफ रायपुर के डीडी नगर थाने में केस दर्ज किया गया था। बघेल सामाजिक कार्यकर्ता हैं। वे लखनऊ शिक्षक भर्ती में गलत आरक्षण प्रक्रिया अपनाने पर धरना दे रहे युवाओं के बीच 30 अगस्त को पहुंचे थे और उनका समर्थन किया था। इस धरने में उन्होंने ब्राह्मणों को विदेशी बताते हुए बयानबाजी की थी उन्होंने कहा था कि ब्राह्मण विदेशी हैं, जिस तरह अंग्रेज यहां से गए, वो भी यहां से जाएंगे। ब्राह्मण सुधर जाएं, या तो जाने के लिए तैयार रहें। बिक्रम सिंह मजीठिया की ओर से दायर किए गए मानहानि मामले में आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद संजय सिंह मंगलवार को लुधियाना जिला कोर्ट में पेश हुए। उन्होंने कोर्ट में अग्रिम जमानत की याचिका लगाई।

देश में कोरोना के 30164 नए मरीज मिले और 42946 ठीक हुए

नई दिल्ली। देश में कोरोना के आंकड़े सोमवार को राहत देने वाले रहे। बीते 24 घंटे में 30,164 नए केस दर्ज किए गए। 42,946 मरीज ठीक हो गए और 290 संक्रमितों की मौत हो गई। इसके साथ ही एक्टिव केस में 13,086 की कमी दर्ज की गई। यह लगातार दूसरा दिन था जब इसमें कमी आई। अभी 3.85 लाख लोगों का इलाज चल रहा है। नए केस की बात करें तो रविवार को बीते 14 दिन में सबसे कम मामले दर्ज किए गए। इससे पहले 23 अगस्त को 24,794 संक्रमितों की पहचान हुई थी। कोरोना से संक्रमित होने वाले मरीजों की इम्युनिटी अलग-अलग रिएक्ट करती हैं। इस पर अमेरिका के वैज्ञानिकों ने रिसर्च की है। 200 कोरोना मरीजों पर की गई रिसर्च नेचर बायोटेक्नोलॉजी पेपर में प्रकाशित हुई है। इसमें बताया गया है कि इन आंकड़ों के जरिए पता लगाया जा सकता है कि संक्रमित होने वाले किस मरीज की मौत होने के चांस ज्यादा हैं। कर्नाटक शिक्षा मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक कोरोना संक्रमण के बीच वहां 6वीं से 8वीं तक के 35.64 फीसदी स्टूडेंट्स स्कूल पहुंचे। बता दें कि कर्नाटक में कक्षा 6वीं से 8वीं तक के स्कूल कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए 6 सितंबर से खुल गए हैं।

दमोह में बारिश के लिए बच्चियों को बिना कपड़ों के घुमाया

बाल आयोग ने कलेक्टर से 10 दिन में एक्शन लेने को कहा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल/दमोह

मध्य प्रदेश के दमोह जिले में अंधविश्वास की एक घटना सामने आई। यहां जबेरा ब्लॉक के आदिवासी बहुल्य बनिया गांव में बारिश न होने पर टोटका किया गया। इसमें महिलाओं ने अपने ही घर की बच्चियों को बिना कपड़ों के गांव की गलियों में घुमाया। महिलाओं का मानना है कि ऐसा करने से इतनी बारिश होती है कि माता की प्रतिमा का गोबर धुल जाता है। मामला सामने आने के बाद राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने कलेक्टर एसकृष्ण चैतन्य को नोटिस जारी कर 10 दिन के अंदर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

आयोग ने कलेक्टर से बच्चियों का आयु प्रमाण पत्र, जांच रिपोर्ट और अन्य दस्तावेज मांगे हैं। कलेक्टर ने जांच में तथ्य सामने आने के बाद कार्रवाई की बात कही है।

बच्चियों की उम्र 3 से 4 साल के बीच:- बनिया गांव के लोग कम बारिश होने से परेशान हैं। रविवार सुबह गांव की महिलाएं इकट्ठा हुईं और 3 से 4 साल की बच्चियों को निर्वस्त्र कर पूरे गांव में एक चक्कर लगवाया।

इस टोटके से किसी को कोई भी नुकसान नहीं: समिति अध्यक्ष

वन समिति अध्यक्ष पवन सिंह ने बताया कि बारिश नहीं होने के कारण फसलें प्रभावित हो गई हैं। लोग पानी के लिए परेशान हैं, इसलिए गांव की महिलाओं ने यह टोटका किया है। यह लोगों की आस्था और विश्वास से जुड़ा मामला है। इस टोटके से किसी को कोई भी नुकसान नहीं है। यह धार्मिक क्रिया है। पंचायत सचिव जागेश्वर राय का कहना है कि रविवार होने के कारण वह पंचायत नहीं गए थे, लेकिन उन्हें जानकारी मिली है कि गांव के लोगों ने बारिश के लिए एक टोटका किया है।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड

अर्थव्यवस्था, शिक्षा, नियोजन, उद्भव, पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात आपके साथ

38 सेलेब्रिटीज परर एफआईआर : हैदराबाद रेप पीड़ित की पहचान उजागर करने का आरोप; सलमान, अजय, अक्षय समेत क्रिकेटर्स और साउथ स्टार्स पर केस

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

साल 2019 में हैदराबाद का गैंग रेप काफी सुर्खियों में रहा था, जिसमें पीड़िता को न्याय दिलवाने के लिए देश के लाखों लोगों ने आवाज उठाई थी। इन लोगों में सलमान खान, अजय देवगन, अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन जैसे कई बड़े सितारे भी शामिल थे। इस दौरान कई लोगों ने सोशल मीडिया अकाउंट पर तस्वीरें भी शेयर की थीं। अब रेप पीड़िता की पहचान उजागर करने को लेकर इन बॉलीवुड एक्टर्स के अलावा 38 सेलेब्स पर केस दर्ज किया गया है। दिल्ली के वकील गौरव गुलाटी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। इनमें बॉलीवुड स्टार्स के अलावा टॉलीवुड एक्टर्स, क्रिकेटर्स और आरजे भी शामिल हैं। गौरव का कहना है कि इन सितारों को जनता के लिए मिसाल बनना चाहिए और ये खुद कानून को दरकिनार करते हुए रेप पीड़िता की पहचान उजागर कर रहे हैं। इन सभी सेलेब्स को गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

इन सेलेब्स के खिलाफ दर्ज हुई शिकायत: - वकील गौरव गुलाटी ने सलमान खान, अक्षय कुमार, अजय देवगन, अभिषेक बच्चन, फरहान अख्तर, अनुपम खेर, परिणीति चोपड़ा, दीया मिर्जा, स्वरा भास्कर, रकुल प्रीत सिंह, यामी गौतम, ऋचा चड्ढा, काजल अग्रवाल, शबाना आजमी, हंसिका मोटवानी, प्रिया मलिक, अरमान मलिक, करणवीर वोहरा, डारेक्टर मधुर भंडारकर, साउथ एक्टर रवि तेजा, अल्लू शिरीष, क्रिकेटर हरभजन सिंह, शिखर धवन, निधि अग्रवाल, चार्मी कौर, आशिका रंगनाथ और आरजे साइमा के खिलाफ शिकायत की है।

हैदराबाद पुलिस ने किया था दिशा रेप के आरोपियों का एनकाउंटर

28 नवंबर 2019 की रात हैदराबाद में एक वेटनरी डॉक्टर का अपहरण किया गया था। 4 आरोपियों ने पीड़िता के साथ गैंगरेप किया और फिर उसे जला दिया था। इस केस ने पूरे देश को हिला दिया था। घटना के दो दिन के भीतर ही आरोपियों को पकड़ लिया गया था। पुलिस के सीन री-क्रिएशन के दौरान भागने की कोशिश करते हुए सारे आरोपियों का पुलिस ने एनकाउंटर कर दिया था। इस पूरे केस को दिशा रेप केस का नाम दिया गया था। इसी मामले में सेलेब्स ने ट्वीट किए थे। जिसमें उन्होंने रेप पीड़िता की पहचान उजागर कर दी थी।

चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने अन्नोत्सव कार्यक्रम में तहत निःशुल्क राशन वितरण किया।

प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सकारात्मक सोच और संवेदनशील व्यवहार जरूरी : राज्यपाल पटेल

» कल्याणकारी योजनाओं की ग्राम सभाओं में जानकारी दी जाए

» अनुसूचित जाति एवं जनजाति विभाग की बैठक में दिए निर्देश

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि अनुसूचित जाति, जनजाति समाज में जागरूकता बढ़ाने के प्रयास जरूरी हैं। सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में ग्राम सभाओं में जानकारी दी जाए। उन्होंने कहा कि हितग्राही मूलक योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सकारात्मक सोच और संवेदनशील व्यवहार जरूरी है। लक्ष्य हो कि एक भी पात्र व्यक्ति योजना के लाभ से वंचित नहीं रहे। राज्यपाल श्री पटेल आज राजभवन में अनुसूचित जाति एवं जनजातियों के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। वन मंत्री श्री कुंवर विजय शाह और जनजातीय कार्य, अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री सुश्री मीना सिंह मांडवे भी मौजूद थी। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि अनुसूचित जाति, जनजाति विकास प्रयासों में समाज की मूलभूत आवश्यकताओं पर भी विशेष ध्यान दिया जाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि समाज के युवाओं के कौशल उन्नयन के प्रयासों में स्थानीय उद्योगों और व्यवसाय में रोजगार की संभावनाओं के अनुसार प्रशिक्षण की व्यवस्था की जानी चाहिए। स्थानीय लोगों को रोजगार में प्राथमिकता मिले, इसके प्रयास जरूरी हैं। उन्होंने वन अधिकार अधिनियम के तहत लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण में ग्राम सभा की सहभागिता के साथ प्रयास किए जाने पर बल दिया। ग्राम सभा में गाँव के बुजुर्गों को भी शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने वन विभाग द्वारा पौधरोपण कार्य के संबंध में जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि मिट्टी की जाँच करा कर, उसके अनुकूल पौधों का रोपण किया जाए। पौधरोपण की उत्तरजीविता को बढ़ाने के लिए बड़े पौधों को लगाने के प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने उड़ीसा के बांसों का उल्लेख करते हुए प्रदेश में उनके उत्पादन की संभावनाओं को तलाशने के लिए भी कहा है। प्रमुख सचिव वन श्री अशोक बर्णवाल ने विभाग की गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारतीय वन सर्वेक्षण देहरादून के आकलन में वर्ष 2005 से 2019 के दौरान प्रदेश का कुल वन क्षेत्र 1,469 वर्ग किलोमीटर बढ़ा है। प्रमुख सचिव आदिम जाति कल्याण तथा अनुसूचित जाति कल्याण डॉ. पल्लवी जैन गोविल ने बताया कि पर्यटन विभाग के साथ समन्वय कर स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान कर पर्यटन उद्योग से संबंधित विभिन्न कार्यों में रोजगार उपलब्ध कराने की पहल शुरू की गई है।

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब के प्रकाश पर्व पर शुभकामनाएँ दी

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के प्रकाश पर्व पर शुभकामनाएँ दी हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ट्वीट किया है कि श्री गुरु ग्रंथ साहिब हमें सेवा, प्रेम और सौहार्द की शिक्षा देने के साथ मानवता के कल्याण के पथ पर चलने की सीख देते हैं। उनकी शिक्षा को आत्मसात कर हम भी समाज की उन्नति एवं विश्व के उत्थान में अपना सर्वोच्च योगदान दें। उल्लेखनीय है कि सिखों के पाँचवें गुरु अर्जन देव जी ने 1604 में आज ही के दिन पहली बार गुरु ग्रंथ साहिब का प्रकाश किया था।

बाँस आधारित उद्योग स्थापित करने के लिए 30 सितंबर तक आवेदन आमंत्रित

भोपाल। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में बाँस उद्योग स्थापित करने के लिए इस वर्ष 2 करोड़ 77 लाख 50 हजार रूपए का अनुदान प्रावधानित किया गया है। राज्य बाँस मिशन द्वारा निजी क्षेत्रों में इच्छुक हितग्राहियों से 30 सितंबर 2021 तक प्रस्ताव बुलाए गए हैं। बाँस उद्योग लगाने के लिए 10 कार्य क्षेत्र चिन्हित किये गये हैं। गत वित्तीय वर्ष में निजी क्षेत्रों के हितग्राहियों को 16 इकाईयों की मंजूरी दी जाकर 2 करोड़ 3 लाख रूपए का अनुदान उपलब्ध कराया गया। प्रमुख रूप से बाँस के ट्रीटमेंट तथा सीजनिंग प्लांट, बाँस प्र-संस्करण केन्द्र एवं मूल्य संवर्धन इकाई, बाँस कचरा प्रबंधन, अगरबत्ती इकाई, एक्टिवेटेड़ कार्बन प्रोडक्ट, बेम्बो बोर्ड/फ्लोर टाइल्स यूनिट और हाईटेक और बिग नर्सरी के प्रोजेक्ट पर अनुदान दिया जा सकेगा। उल्लेखनीय है कि इन उद्योगों के मामलों में राज्य बाँस मिशन द्वारा प्रोजेक्ट तैयार करने के लिये मार्गदर्शन दिया जा सकेगा।

सेवा शर्तों का क्रियान्वयन कराएँगे : कृषि मंत्री पटेल

भोपाल। किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने अपने निवास कार्यालय पर मंगलवार सुबह कृषि संविदा अधिकारी/कर्मचारी संघ को आश्वस्त किया कि नियुक्ति के समय जारी सेवा शर्तों का क्रियान्वयन कराएँगे। संघ ने मंत्री श्री पटेल को अपनी समस्याओं और मांगों से अवगत कराते हुए उन्हें पूर्ण करने का अनुरोध किया।

वन्य जीवों की प्रचुरता और जैविकी विविधताओं के लिए मशहूर कान्हा नेशनल पार्क

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

प्रदेश में स्थापित नेशनल पार्कों के प्रति देशी पर्यटकों के साथ विदेशी पर्यटक बहुत तेजी से आकर्षित हो रहे हैं। इनमें से एक है कान्हा नेशनल पार्क। यह पार्क वन सम्पदा, वन्य जीवों की प्रचुरता और जैविकी विविधताओं से लबरेज है। कान्हा नेशनल पार्क विलक्षण और अद्वितीय प्राकृतिक आवास के लिए जाना जाता है। कान्हा का संपूर्ण वन क्षेत्र वैभवशाली अतीत को आज भी संजोए हुए है, जिसकी वजह से यह पार्क देशी-विदेशी पर्यटकों को बरबस अपनी ओर खींचता है। मण्डला और बालाघाट जिले की सीमा से लगा यह पार्क प्राकृतिक और पर्यावरणीय गौरव के लिए जाना जाता है। क्षेत्रफल के लिहाज से इसका देश के सबसे बड़े राष्ट्रीय पार्कों में शुमार है। कोर वन मण्डल (राष्ट्रीय उद्यान) एवं बफर जोन वन मण्डल कान्हा टाईगर रिजर्व के अन्तर्गत आते हैं। इन दोनों वन मण्डल का क्षेत्रफल क्रमश- 940 और 1134 वर्ग कि.मी. है। राष्ट्रीय उद्यान में 91 हजार 743 वर्ग कि.मी. का क्षेत्रफल क्रिटिकल टाईगर हेबीटेट के रूप में अधिसूचित है। इसके अलावा टाइगर रिजर्व के अधीन एक वन्य-प्राणी अभयारण्य सेटेलाइट मिनी कोर-फेन अभयारण्य है, जो 110.74 वर्ग कि.मी. क्षेत्र में फैला है।

118 बाघ और 146 तेंदुए सहित अनेक वन्य-जीव है मौजूदः- टाइगर रिजर्व में वन्य- प्राणी गणना आकलन 2020 के अनुसार 118 बाघ और 146 तेंदुए मौजूद हैं। बाघों में 83 वयस्क और 35 शावक बाघ हैं। इसके अलावा जंगली कुत्ता, लकड़ बग्घा, सियार, भेड़िया, भालू (रीछ), लोमड़ी, जंगली बिल्ली, जंगली सुअर, गौर, चीतल, बारासिंघा, सांभर, मेड़क-मेड़की, चौसिंघा, नीलगाय, नेवला, पानी कुत्ता (उद बिलाव), सेही, लंगूर, बंदर, मोर प्रजाति के वन्य-जीव उपलब्ध हैं। साथ ही स्तनधारियों की तकरीबन 43 प्रजाति, पक्षियों की 325, सरी सृप की 39, कीट की 500, मकड़ी की 114 और पतंगों और तितलियों की भी अनेक प्रजाति पर्यटकों को अपनी ओर खींचती हैं।

पाके के यह स्थल है बेहद खास

फेन अभयारण्य - टाइगर रिजर्व की विशेष इकाई फेन अभयारण्य है। वर्ष 1983 में 110 वर्ग कि.मी. का क्षेत्र फेन अभयारण्य घोषित हुआ। यह क्षेत्र वन्य-जीव के आवासीय स्थल के रूप में पिछले वर्षों से, काफी विकसित हुआ हैं। इस क्षेत्र में पूर्व में 38 मवेशी गाय, भैंस रहकर वन क्षेत्र को नष्ट किया करती थी। वर्ष 1997-98 के मध्य यहाँ से सभी शिवरों को विशेष मुहिम से हटा दिया, तब से यहाँ के वन काफी अच्छे हो गए हैं जिससे अब यहाँ बाघ, तेंदुआ, बायसन, चीतल, सांभर, जंगली कुत्ता आदि विचरण करते दिखाई देते है।

श्रवणताल - कान्हा से 4 कि.मी. की दूरी पर श्रवणताल है। पौराणिक मान्यता अनुसार राजा दशरथ के तीर से मातृ-पितृ भक्त श्रवण कुमार की मृत्यु इसी स्थान पर होना माना जाता है। यहाँ कई साल पहले तक मकर संक्राति का मेला लगता था। श्रवणताल में वर्ष भर पानी रहता है, जिसके कारण नीचे स्थित मेन्हरनाला और देशीनाला क्षेत्र में पानी रिसने से हमेशा नमी बनी रहती है।

हमीदिया में पहला किडनी ट्रांसप्लांट

15 डॉक्टरों की टीम ने 3 घंटे में किया पहला ट्रांसप्लांट, डोनर और रिसीवर आईसीयू में शिफ्ट किए गए

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

भोपाल के हमीदिया हॉस्पिटल में मंगलवार को पहला किडनी ट्रांसप्लांट हुआ। डोनर और रिसीवर को सुबह 9.30 बजे ऑपरेशन थियेटर में ले जाया गया। ऑपरेशन दोपहर 3 बजे तक चला। इसके बाद डोनर और रिसीवर को आईसीयू वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया है। करीब 15 डॉक्टरों की टीम किडनी ट्रांसप्लांट के ऑपरेशन में जुटी हुई थी। डीन डॉ. जितेंद्र शुक्ला ने बताया कि किडनी ट्रांसप्लांट सफल रहा। टीम में 15 विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम व अन्य कर्मचारी शामिल थे। मुरैनी के कृष्णदत्त शर्मा को उनकी पत्नी वीणा शर्मा ने अपनी किडनी दी। किडनी ट्रांसप्लांट के बाद दोनों की हालत ठीक है। बता दें कि इससे पहले 28 अगस्त को ट्रांसप्लांट किया जाना था, जो डोनर और रिसीवर की ब्लड टेस्ट रिपोर्ट असामान्य आने के कारण टल गया था। इसके बाद मंगलवार से ट्रांसप्लांट की शुरुआत हो गई। हमीदिया हॉस्पिटल में 18 मरीजों ने किडनी ट्रांसप्लांट के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है।

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया ने ग्वालियर के हॉकी अकादमी में चल रहे हॉस्टल निर्माण कार्यों और व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

राष्ट्रप्रेम, शौर्य, साहस और बलिदान है राजपूतों का इतिहास : मंत्री सुश्री ठाकुर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

पर्यटन, संस्कृति और आध्यात्म मंत्री सुश्री उषा ठाकुर ने कहा कि राजपूतों का इतिहास राष्ट्रप्रेम, शौर्य, साहस और बलिदान का है। राजपूत ही भारतीय सनातन संस्कृति के सच्चे ध्वज वाहक हैं। मंत्री सुश्री ठाकुर भोजपुर क्लब में राजपूत महापंचायत की महिला शक्ति के सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। सुश्री ठाकुर ने मातृशक्ति का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि नारी विश्व की निर्मात्री शक्ति है। नारी ने ही एक माँ के रूप में भारत के महापुरुषों में बाल्यकाल में ही राष्ट्रप्रेम, साहस और बलिदान के गुण रोपित किये तभी वे महान बन पाए। वर्तमान समय में भी सनातन संस्कृति की परंपरा को भावी पीढ़ी को सौंपने की अहम जिम्मेदारी मातृशक्ति पर है। इसके पूर्व सुश्री ठाकुर ने कन्या-पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मंत्री सुश्री ठाकुर ने उपस्थित महिला शक्ति से आग्रह किया कि घर में वैदिक जीवन पद्यति अपनाये। बच्चों को आध्यामिकता का संस्कार दें। उन्हें राम रक्षा स्त्रोत का पाठ कराये। घर की बैठकों में क्रांतिकारियों और वीर महापुरुषों के चित्र लगाये। यह चित्र परिवार के चित्त का निर्माण करेंगे। इसके साथ ही सूर्योदय और सूर्यास्त के समय गाय के गोबर से बने कंडे पर घी, अक्षत और गुड़ का हवन करें। हवन में दी गई आहूति से घर सैनिटाइज होगा और परिवार के सभी सदस्यों की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ेगी। राजपूत महापंचायत के प्रदेश अध्यक्ष श्री राघवेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि राजपूत समाज हमेशा धर्मसम्मत कार्य और राष्ट्र उत्थान में अपना योगदान देता आया है।

किसानों का सिर्फ 9,000 करोड़ का बकाया:अगले शुगर सीजन में घटेगा चीनी का उत्पादन, बनाया जाएगा ज्यादा एथनॉल

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

शुगर सीजन 2021-22 में चीनी का उत्पादन मामूली गिरावट के साथ 3.05 करोड़ टन रह सकता है। दरअसल अगले शुगर सीजन में एथनॉल उत्पादन के लिए ज्यादा गन्ने का इस्तेमाल होने की संभावना है। यह बात खाद्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव सुबोध कुमार सिंह ने कही है। उनके मुताबिक, मौजूदा शुगर सीजन यानी 2020-21 में चीनी का उत्पादन 3.1 करोड़ टन तक जा सकता है।

गन्ना किसानों को मिला 83,000 करोड़ का बकाया:-सिंह के मुताबिक, इस शुगर सीजन में गन्ना किसानों को 91,000 करोड़ रुपए का भुगतान किया जाना था। इसमें से लगभग 83,000 करोड़ रुपए का बकाया अदा किया जा चुका है, जबकि 9,000 करोड़ रुपए का बकाया रह गया है। इसमें से कुछ रकम का भुगतान अगले एक महीने में हो सकता है। शुगर सीजन अक्टूबर से सितंबर तक चलता है।

अगले सीजन में 3.05 करोड़ टन उत्पादन का अनुमान:- सिंह ने कहा, गन्ने की फसल इस साल कुल-मिलाकर अच्छी रही है। अगले शुगर सीजन में एथनॉल बनाने में ज्यादा गन्ना इस्तेमाल हो सकता है। इसके चलते शुगर सीजन 2022-21 में चीनी का उत्पादन थोड़ी गिरावट के साथ 3.05 करोड़ टन रह सकता है।

2021-22 में एथनॉल बनाने में लगेगा डबल गन्ना:- इस सीजन में 20 लाख टन जबकि अगले सीजन में 35 लाख टन चीनी उत्पादन लायक गन्ना एथनॉल बनाने में लगाया जाएगा। सिंह ने कहा कि लेकिन चीनी का उत्पादन घरेलू खपत की जरूरत पूरी करने के लिए काफी होगा। चीनी की घरेलू खपत अगले सीजन में तीन-चार लाख टन बढ़कर 2.63 से 2.65 करोड़ टन रह सकती है।

अगले सीजन में हो सकता है 70 लाख टन का निर्यात:- सिंह का कहना है कि इस सीजन की 90-95 लाख टन चीनी बचने और अगले सीजन में 3.05 करोड़ टन का उत्पादन होने के अनुमान को देखते हुए 2021-22 में कुल उपलब्धता 3.95 करोड़ टन से 4 करोड़ टन के बीच रह सकती है। अगले सीजन में घरेलू खपत 2.65 करोड़ टन रहने और 70 लाख टन का निर्यात होने का अनुमान है।

विभिन्न भुगतान कंपनियों के डेटा से यह नया ट्रेंड सामने आया

लोगों के पास कैश मौजूद, फिर भी पे लेटर और ईएमआई स्कीम से खरीदारी कर रहे लोग

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

देश में कोरोना महामारी को लेकर अनिश्चितता के बीच भारतीय उपभोक्ताओं के खरीदारी के व्यवहार में बदलाव आया है। उपभोक्ता पर्याप्त नकदी होने के बावजूद 'बाय नाऊ, पे लेटर' या ईएमआई जैसी स्कीम्स के जरिए खरीदारी कर रहे हैं। विभिन्न भुगतान कंपनियों के डेटा से यह नया ट्रेंड सामने आया है।

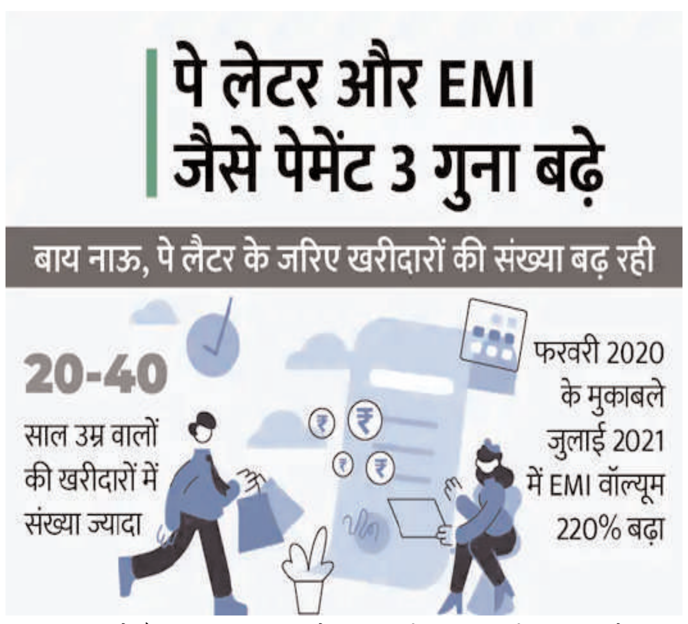

डिजिटल ट्रांजेक्शन 80 फीसदी बढ़े

फाइनेंशियल सॉल्यूशन कंपनी रेजरपे की एक रिपोर्ट के मुताबिक लॉकडाउन के पहले 250 दिन (25 मार्च से 29 मार्च 2020) की तुलना में अगले 250 दिन (30 नवंबर 2020 से 6 अगस्त 2020) के बीच डिजिटल ट्रांजेक्शन 80 फीसदी बढ़े हैं। इस दौरान पे लेटर और कार्डलेस ईएमआई जैसे पेमेंट के नए तरीकों में भी क्रमश 220 फीसदी और 207 फीसदी की स्थिर ग्रोथ देखने को मिली।

बचत सुरक्षित रखना चाहते हैं लोग:- विशेषज्ञों के मुताबिक कोरोनाकाल में छंटनी और वेतन कटौती के बाद लोग बचत सुरक्षित रखना चाह रहे हैं, ताकि जरूरत पड़ने पर काम आ सके। इसी को ध्यान में रखकर वे 'बाय नाऊ, पे लेटर' या ईएमआई जैसे विकल्पों को प्राथमिकता दे रहे हैं।

बाय नाऊ, पे लैटर के जरिए खरीदारी बढ़ रही

डिजिटल पेमेंट कंपनी इजीटैप ने जुलाई-2021 में ईएमआई के वॉल्यूम में कोरोना महामारी शुरू होने से पहले फरवरी-2020 की तुलना में 220 फीसदी ग्रोथ दर्ज की है। कंपनी के हेड ऑफ प्रोडक्ट्स भास्कर चटर्जी कहते हैं कि ईएमआई और बाय नाऊ, पे लैटर के जरिए खरीदारी करने वालों की संख्या बढ़ रही है। इनमें 20-40 साल उम्र वालों की संख्या ज्यादा है।'

डिजिटल ट्रांजेक्शन की राशि कोरोना काल में 73.4 फीसदी बढ़ी

नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के मुताबिक, मासिक NACH डेबिट ऑफ रेकरिंग पेमेंट्स अप्रैल 2020 में 413.6 लाख हुए थे। जुलाई 2021 में ऐसे ट्रांजेक्शन बढ़कर 577.3 लाख हो गए और इनके जरिए 61,303.46 करोड़ रुपए का लेनदेन हुआ है।

पेमेंट में फ्लेक्सिबिलिटी चाहते हैं लोग

बैंकबाजार.कॉम के CEO आदिल शेट्टी ने कहा कि कोरोना ने हर किसी के नकदी के प्रवाह को प्रभावित किया है। वे पेमेंट में फ्लेक्सिबिलिटी चाह रहे हैं। जिसमें क्रेडिट कार्ड पहला विकल्प है, लेकिन जिनके पास क्रेडिट कार्ड नहीं है, वे BNPरु को व्यावहारिक विकल्प के रूप में देख रहे हैं।

कुछ बैंक भी 'बाय नाऊ, पे लेटर' प्रोडक्ट लॉन्च कर चुके

ICICI बैंक जहां अपने एप पर पे लेटर सर्विसेस की पेशकश कर रहा है। वहीं, एक्सिस बैंक ने अपने मौजूदा और नए ग्राहकों को ध्यान में रखते हुए अपनी सब्सिडियरी कंपनी फ्रीचार्ज के जरिए हाल में एक नया 'बाय नाऊ, पे लेटर प्रोडक्ट लॉन्च किया है।

बाजार में धमाल मचाने वाली कंपनियां

5 कंपनियों का बीएसई के कुल मार्केट कैप में 20.8 फीसदी का योगदान

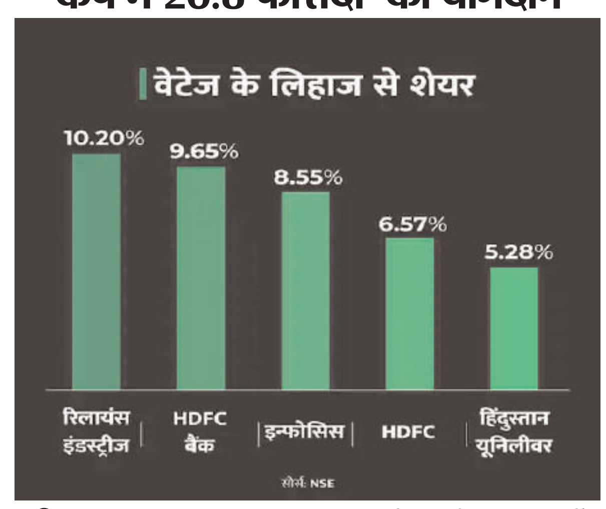

रिलायंस 15.37 लाख करोड़ मार्केट कैप के साथ नंबर वन कंपनी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

आज हम आपको उन कंपनियों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनका शेयर बाजार में एक तरफा जलवा है और वो कंपनियां जो बाजार को लीड कर रही हैं। ग्राफिक के जरिए समझिए उन 5 कंपनियों के बारे में जिनका कुल मार्केट कैप 52.14 लाख करोड़ रुपए है। साथ ही ये भी बताएंगे कि इन कंपनियों का बीएसई के मार्केट कैप में कुल कितना योगदान है। बाजार की टॉप 5 कंपनियों के मार्केट कैप, शेयर के वेटेज और लिस्टिंग से लेकर ढ्ढक्क प्राइस तक सबकुछ बताएंगे। शेयर बाजार में सबसे ज्यादा मार्केट कैप वाली कंपनी है रिलायंस। सोमवार को रिलायंस का कुल मार्केट कैप 15.37 लाख करोड़ रुपए रहा। वहीं दूसरे नंबर पर है TCSĐ TCS का कुल मार्केट कैप 14.24 लाख करोड़ रुपए है। अब आपको बताते हैं वेटेज के लिहाज से वो शेयर जो बाजार में लीड कर रहे हैं। पहले नंबर पर रिलायंस इंडस्ट्रीज का नाम आता है। दूसरे नंबर पर HDFC बैंक, तीसरे नंबर पर इन्फोसिस, चौथे नंबर पर HDFC और 5वें नंबर पर आता है हिंदुस्तान यूनिलीवर। इस ग्राफिक में आपको बता रहे हैं कि बाजार में अपनी धाक जमाए रखने वाली कंपनियां एक्सचेंज पर कब लिस्ट हुईं और इनका IPO प्राइस क्या था।

न्यूज ब्रीफ

भारत आने को टेस्ला की सरकार से बात

नई दिल्ली। दुनिया की दिग्गज इलेक्ट्रिक कार विनिर्माता टेस्ला ने भारत में अपने पूर्ण स्वामित्व वाले शोरूम खोलने के नियम-कायदों पर सरकार के साथ बातचीत शुरू कर दी है। कंपनी को भारत में सीधे बिक्री करने के लिए स्थानीय खरीद के नियमों समेत एकल ब्रांड खुदरा से संबंधित प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के दिशानिर्देशों का पालन करना होगा। कम से कम दो अन्य दिग्गज विदेशी कंपनियों - ऐपल और आइकिया ने भी एकल ब्रांड खुदरा के तहत खरीद के नियमों में ढील दिए जाने से पहले सरकार के साथ लंबे समय तक बातचीत की थी। स्वीडन की फर्नीचर कंपनी आइकिया ने भारत में खुदरा शोरूम खोल दिए हैं, लेकिन आईफोन बनाने वाली ऐपल ने अभी देश में अपना कोई शोरूम नहीं खोला है। पिछले साल ऐपल ने भारत के लिए अपना ऑनलाइन स्टोर शुरू किया था, लेकिन महामारी की वजह से शोरूम खोलने का विचार टाल दिया था। उत्तरी अमेरिका और एशिया प्रशांत में टेस्ला की प्रेस टीम को भेजे गए एक ईमेल का कोई जवाब नहीं मिला। एकल ब्रांड खुदरा में 51 फीसदी से अधिक विदेशी हिस्सेदारी के प्रस्तावों के साथ आने वाली कंपनियों के लिए अपने माल की कीमत की 30 फीसदी खरीद भारत से करना आवश्यक है। विदेशी उद्यमों को भारत में परिचालन में सक्षम बनाने के लिए एफडीआई नियमों में बदलाव किया गया है। इनके मुताबिक एकल ब्रांड खुदरा कंपनी द्वारा भारत में की जाने वाली सभी खरीद को स्थानीय खरीद माना जाएगा, भले ही ये घरेलू या विदेशी बिक्री के लिए हों। यह नियम कहता है कि एकल ब्रांड खुदरा कारोबार (एसबीआरटी) वाली कंपनी के लिए 30 फीसदी खरीद भारत से ही करना अनिवार्य है मगर वैश्विक कारोबार के लिए भारत से की गई खरीद को भी इस 30 फीसदी में शुमार किया जा सकता है।

सर्वे में खुलासा

होम लोन के लिए सरकारी बैंकों पर ज्यादा भरोसा करते हैं भारतीय

47 फीसदी लोगों ने इन पर भरोसा जताया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

देश में प्राइवेट बैंकों का कारोबार भले ही तेजी से बढ़ रहा हो, लेकिन जब बात होम लोन लेने की आती है तो लोग सबसे अधिक भरोसा सरकारी बैंकों पर ही करते हैं। फिनटेक कंपनी बेसिक होम लोन के एक सर्वे में यह जानकारी सामने आई है।

25 शहरों से जुटाए आंकड़े:- यह होम बॉयर्स सर्वे महामारी के दौरान लोगों के खरीदारी पैटर्न और प्राथमिकता को समझने के लिए किया गया था। सर्वे में भारत के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लोगों से बात की गई और 25 शहरों से आंकड़े संकलित किए गए।

47 फीसदी लोगों ने सरकारी बैंकों पर भरोसा जताया

सर्वे में शामिल लोगों में करीब 47 फीसदी लोगों ने होम लोन की जरूरतों के लिए सरकारी या सार्वजनिक क्षेत्रों के बैंकों पर भरोसा जताया, वहीं केवल 27 फीसदी लोगों ने कहा कि वह निजी बैंकों से लोन लेना पसंद करेंगे। सर्वे में यह बात भी सामने आई कि करीब 24 फीसदी ने अपनी बचत का इस्तेमाल करते हुए घर की खरीदारी की, वहीं 1 फीसदी से भी कम ने किसी गैर-संस्थागत निजी कर्जदाताओं से कर्ज लेने को तरजीह दी। सर्वे के नतीजों पर टिप्पणी करते हुए कंपनी के को-फाउंडर और सीईओ, अतुल मोंगा ने कहा कि, प्रत्येक बैंक अपने आप में अलग है, चाहे वह सरकारी हो या फिर निजी क्षेत्र का। सामान्य तौर पर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक प्रॉसेसिंग फीस और पूर्व भुगतान प्रतिबंधों के मामले में बेहतर पेशकश करते हैं।

इस महीने एसबीआई की दो स्पेशल डिपॉजिट स्कीम हो रहीं खत्म

इसमें आम FD से मिल रहा ज्यादा ब्याज

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

इस महीने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की 2 स्पेशल डिपॉजिट स्कीम खत्म हो रही हैं। एसबीआई की प्लेटिनम डिपॉजिट स्कीम में 14 सितंबर तक, वहीं वीकेयर स्कीम में 30 सितंबर तक निवेश किया जा सकता है। हम आपको इन दोनों स्कीम्स के बारे में बता रहे हैं।

प्लेटिनम डिपॉजिट स्कीम एसबीआई प्लेटिनम डिपॉजिट %का फायदा 14 सितंबर तक ले सकते हैं। इस योजना के तहत निवेश करने पर आपको सामान्य डिपॉजिट की तुलना में 0.15 फीसदी तक ज्यादा ब्याज मिलेगा।

इस स्कीम का लाभ 75 दिन, 525 दिन (75 हफ्ते) और प्लेटिनम 2250 दिन (75 महीने) के लिए निवेश करने पर मिलेगा। एसबीआई डिपॉजिट पर अभी अधिकतम 5.40 फीसदी ब्याज दे रहा है।

वीकेयर डिपॉजिट स्कीम

एसबीआई ने सीनियर सिटीजंस के लिए शुरू की वीकेयर डिपॉजिट स्कीम शुरू की थी। इसमें 30 सितंबर तक निवेश किया जा सकता है। इस स्कीम में सीनियर सिटीजंस को 5 साल या उससे ज्यादा समय के फिक्स्ड डिपॉजिट पर 0.80 फीसदी अतिरिक्त ब्याज दिया जा रहा है।

सस्ते हुआ सोना-चांदी, सर्राफा बाजार में सोना 47,478 और चांदी 64,792 रुपए पर आई

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

सर्राफा बाजार में आज सोने की चमक कम हुई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार मंगलवार को सर्राफा बाजार में सोना 95 रुपए सस्ता होकर 47,478 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। वायदा बाजार की बात करें तो स्ष्टङ्ग पर दोपहर डेढ़ 1 बजे सोना 5 रुपए की बढ़त के साथ 47,430 रुपए पर कारोबार कर रहा है।

चांदी भी सस्ती हुई:- सर्राफा बाजार में आज चांदी 324 रुपए सस्ती होकर

64,792 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। वहीं MCX पर ये दोपहर डेढ़ 1 बजे 139 रुपए की गिरावट के साथ 65,153 रुपए पर ट्रेड कर रही है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी कमजोर हुआ सोना

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने की चमक कम हुई है। सोना 0.26 फीसदी कमजोर होकर 1,819 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रहा है। चांदी भी 0.37% की गिरावट के साथ 24.59 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही है। देश में सोने की मांग फिर बढ़ने लगी है। अगस्त महीने में भारत ने 121 टन सोना इंम्पोर्ट (आयात) किया है, जो अगस्त 2020 के मुकाबले दोगुना है। अगस्त 2020 में 63 टन गोल्ड इम्पोर्ट किया था। सोने के दामों में गिरावट और लॉकडाउन से राहत मिलने के कारण सोने की मांग फिर बढ़ने लगी है। 2021 के पहले आठ महीनों यानी जनवरी से अगस्त तक का आयात 687 टन हो गया। IIFL सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट (कमोडिटी एंड करेंसी) अनुज गुप्ता कहते हैं कि कहते हैं कि देश में त्योहारी सीजन शुरू होने वाला है। ऐसे में आने वाले दिनों में सोने की कीमत फिा बढ़ सकता है। सोना साल के आखिर तक एक बार फिर 52 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है।

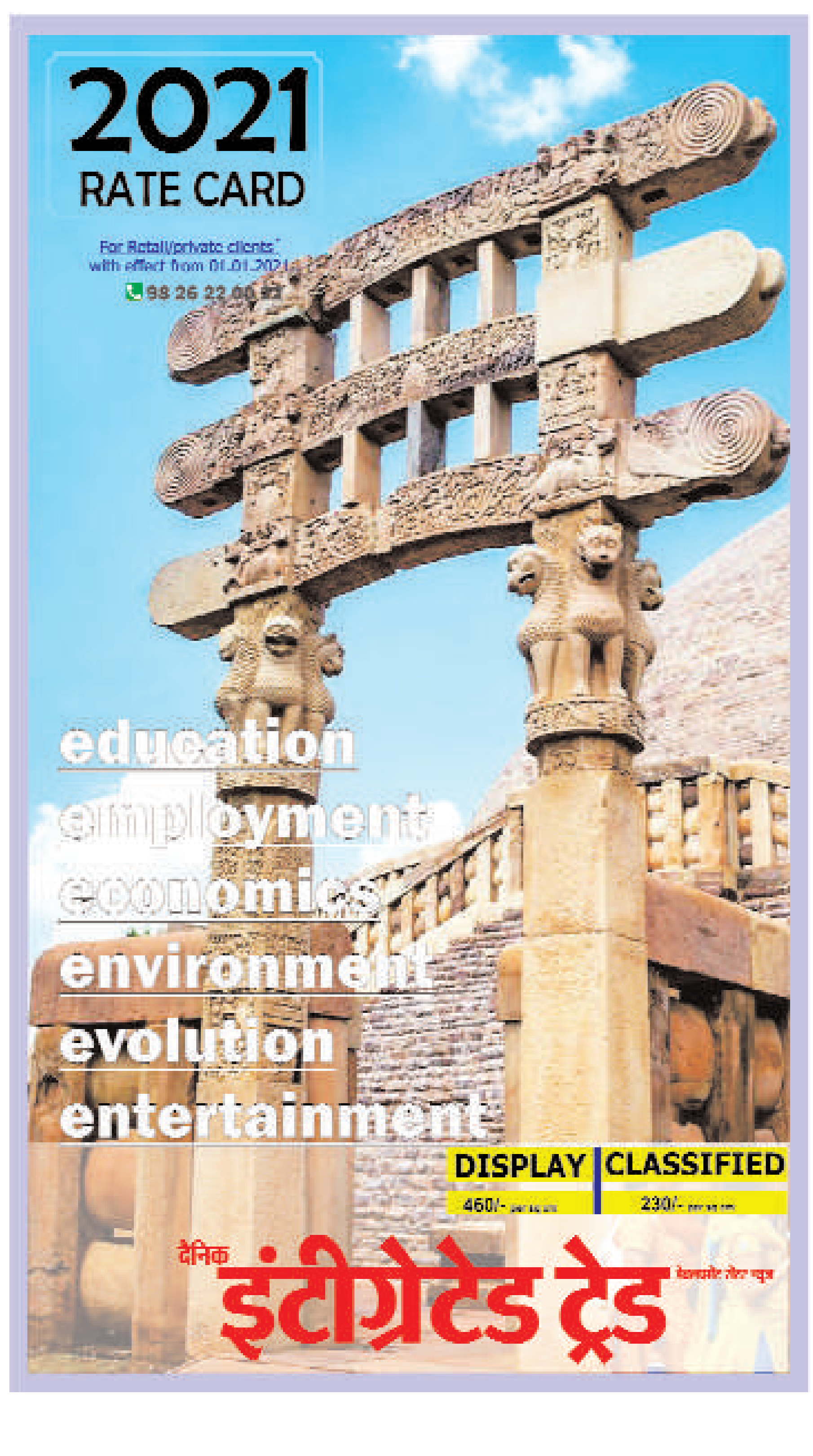

छोटे बयान के निहितार्थ बड़े

अगर समाज पूरी तरह से विभक्त हो, तो एक मिनट से कम का बयान भी किस तरह का भूकंप ला सकता है, इसका एक मजेदार अनुभव अभी हमें हुआ है। फिल्मों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने वाले नसीरुद्दीन शाह वहां तो दूसरों का लिखा डायलॉग बोलते और तालियां वसूलते रहे हैं, मगर जैसे ही उन्होंने अपने मन की बात करने की कोशिश की कि आसमान फट पड़ा। कुछ महीने पहले भी उन्होंने अपनी जुबान खोली थी और इसी तरह कुछ लोग उन पर टूट पड़े थे, बल्कि कुछ ने तो उन्हें हाथोंहाथ लिया था। फर्क सिर्फ इतना हुआ है कि दोस्तों और दुश्मनों के रोल बदल गए हैं।

उस समय उनके बयान का आशय था कि एक मुसलमान की पहचान के साथ भारत में रहते हुए उन्हें डर लगता है। इस वक्तव्य के आते ही राष्ट्रवादी उन पर हमलावर हो गए और उन्हें किसी 'सुरक्षित' जगह जाकर बसने की सलाह दी जाने लगी थी। इस बार जब उन्होंने भारतीय मुसलमानों के एक वर्ग द्वारा अफगानिस्तान में तालिबान की जीत पर जश्न मनाने की प्रवृत्ति की शदीद मजम्मत की, तो वह राष्ट्रवादियों के नायक बन गए। जिन उदारवादियों और धर्मनिरपेक्ष जमातों ने उस समय उन्हें एक महत्वपूर्ण आवाज के रूप में पेश किया था, वे समझ नहीं पा रहे हैं कि इस बयान पर क्या प्रतिक्रिया दें? नसीर ने इस बार आखिर क्या कहा है? उनकी एक मिनट से भी छोटी क्लिपिंग में दो बातें महत्व की हैं। एक तो उन्हें इस बात पर आपत्ति है कि दुनिया भर के लिए खतरनाक तालिबान की विजय पर भारतीय मुसलमानों का एक बड़ा तबका खुशी जाहिर कर रहा है और दूसरी, वह चाहते हैं कि दुनिया भर से भिन्न भारतीय मुसलमान यह तय करें कि वे मध्ययुगीन बर्बरता के साथ हैं या इस्लाम का एक आधुनिक संस्करण चाहते हैं। वह जब बोल रहे थे, तब यह स्पष्ट था कि फिल्मों की तरह उनके पास कोई लिखित संवाद नहीं था। वह भावनाओं की बाढ़ से जूझते हुए अपने दिल की बात कह रहे थे, इसीलिए उनके मूल्यांकन के लिए व्याकरण की बारीकियों में नहीं जाना चाहिए। नसीर के वक्तव्य के खिलाफ उनके अपने समुदाय के अंदर से कई तरह की आवाजें उठीं। कुछ तो धार्मिक पहचान की राजनीति करने वाले लोग थे, जो मानते हैं, दुनिया में शरीयत आधारित राज्य व्यवस्था कायम करने की दिशा में तालिबान का जीतना एक बड़ा कदम है और इसलिए नसीर के बयान को एक कमजोर यकीन वाले मुसलमान के प्रलाप से अधिक और कुछ नहीं समझा जाना चाहिए। पर ऐसे लोगों की संख्या कम थी, ज्यादातर वे लोग हैं, जो उनके शब्दों के चयन से दुखी थे कि उन्होंने सारे मुसलमानों को तालिबान की जीत का स्वागत करने वालों की श्रेणी में रख दिया है। इनमें से कुछ ने तो यहां तक दावा किया कि भारतीय मुसलमानों के नगण्य प्रतिशत ने अफगानिस्तान के घटनाक्रम पर खुशी जाहिर की है। सोशल मीडिया पर एक नजर दौड़ाने से स्पष्ट हो जाएगा कि यह बचाव सही नहीं है। मेरे लिए ये प्रतिक्रियाएं प्रत्याशित ही थीं, लगभग उसी तरह जैसे हिंदुत्ववादियों को वह अब नायक की तरह लगने लगे हैं। मैं यहां नसीर विरोधी उन प्रतिक्रियाओं की बात करने जा रहा हूं, जो उस सेकुलर लिबरल समाज की तरफ से आई है, जिसके वह तब नायक थे, जब उन्हें 'डर' लग रहा था। बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक सांप्रदायिकता की एक बहुत पुरानी बहस है, जो पूरी दुनिया की ही तरह भारत में भी चलती रहती है। मेरा मानना है कि बहुसंख्यक समाज की सांप्रदायिकता ज्यादा खतरनाक है, क्योंकि उसमें राज्य पर कब्जा करने का सामर्थ्य होता है। भारत का अनुभव यही बताता है, पर इसका मतलब यह हरगिज नहीं है कि अल्पसंख्यक समुदाय की सांप्रदायिकता किसी मायने में कम नुकसानदेह है। दोनों एक-दूसरे के लिए खाद का काम करती हैं। जहां पहली उदार संस्थाओं को नष्ट करती है, तो वहीं दूसरी अपने ही समाज के कमजोर तबकों पर आघात करती है

यह एक बड़ा दुर्भाग्य है कि हमारा वाम हिंदू कट्टरता पर तो जमकर हमला करता है, लेकिन राजनीतिक इस्लाम पर बातें करते समय कन्नी काटने लगता है। मेरी समझ है, ऐसा करके मुसलमानों के बीच के प्रगतिशील तबकों को वह अकेला छोड़ देता है। आजादी के फौरन बाद से ही कपड़े-लत्ते से लेकर भाषा तक में उनकी एक खास पहचान बनाई गई है और राजनीतिक दलों के लिए उनकी हैसियत एक वोट बैंक से अधिक नहीं रह गई है। जैसी प्रतिक्रिया कुछ सेकुलर तबकों से नसीर के बयान पर आई है, वह तो उन्हें कट्टरपंथियों के बीच और हाशिये पर पहुंचा देगी। इस प्रसंग में मुझे अपना एक अनुभव याद आ रहा है, जो शायद मेरी बात ज्यादा बेहतर ढंग से समझा सके। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के एक सेमिनार में भाग लेते समय मैंने पाया कि हर वक्ता (ज्यादातर) मुस्लिम श्रोताओं के बीच हिंदुत्व के बढ़ते खतरों पर बोल और तालियां वसूल रहा था। अपने अध्यक्षीय भाषण में मैंने कहा कि आप सब हिंदुत्व का दंश अपने रोजमर्रा की जिंदगी में झेलते ही रहते हैं, इसलिए उसके खतरों के बारे में आपको बताने का बहुत फायदा नहीं है, मैं तो आपके सामने निवेदन करने के लिए खड़ा हुआ हूं कि इतिहास के जिस मुकाम पर हम हैं, उसमें अब अल्लाह की हुकूमत नहीं कायम की जा सकती और अगर कोई दुनिया के किसी भी कोने में शरिया नाफिज करने की बात करता है, तो वह मुसलमानों का दुश्मन है।

संपादकीय

बढ़ती बेरोजगारी से जीवन हुआ मुहाल

पिछले कुछ समय से देश में बेरोजगारी की जो स्थिति है, वह दिनों-दिन गंभीर होती जा रही है। अब अगस्त 2021 के जो आंकड़े सामने आये हैं उनमें भी यही दर्शाया गया है। दिक्कत तो यही है कि सरकार यह मानने को तैयार नहीं होती कि लोग त्रस्त हैं। दुर्भाग्य से सरकार समर्थक एक बड़ा वर्ग भी कहता है कि देश में %सब चंगा सी।% एक ओर भीषण महंगाई तो दूसरी तरफ बढ़ती बेरोजगारी से लोगों के जीवन में आने वाली कठिनाइयों की सहज कल्पना की जा सकती है।

सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकानॉमी (सीएमआईई) के आंकड़े कहते हैं कि अगस्त महीने में बेरोजगारी की दर 8.22 प्रतिशत रही, जो जुलाई में 6.95 प्रतिशत थी। पिछले माह संगठित एवं असंगठित दोनों ही क्षेत्रों में बेरोजगारी बढ़ी है। इस माह में 15 लाख लोगों ने नौकरियां खोईं। अगस्त के दौरान शहरी बेरोजगारी 1.5 प्रतिशत बढ़ी है- जुलाई के 8.3 प्रतिशत से बढ़कर 9.78 प्रतिशत। ग्रामीण क्षेत्र में इसी अवधि में बेरोजगारी 1.3 प्रतिशत बढ़ी। अब वह 7.64 प्रतिशत हो गई है जो पूर्ववर्ती महीने में 6.34 प्रतिशत थी। सीएमआईई के अनुसार नौकरी करने वालों की संख्या अगस्त 2021 में 39.77 करोड़ रह गई। यह जुलाई माह में 39.93 करोड़ थी। ग्रामीण भागों में नौकरियां खोने वालों की संख्या 13 लाख रही।

वैसे तो बेरोजगारी बढ़ने के अनेक कारण हैं, पर मुख्य हैं नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र सरकार दोषपूर्ण नीतियां और असफल कार्यक्रम। मोदी के उठाये अदूरदर्शितापूर्ण कदमों से देश की अर्थव्यवस्था वैसे ही चौपट हो चली थी जो पिछले डेढ़ वर्षों से जारी कोविड-19 के संक्रमण के चलते और भी तबाह हो गई। 2016 में मोदी द्वारा लाए गए नोटबंदी कानून और बाद में जीएसटी ने देश की माली हालत बिगाड़ कर रख दी है। अनेक सेक्टर जो नकद लेन-देन पर अधिक आश्रित थे, ठप होने लगे। रही-सही कसर जीएसटी ने पूरी कर दी। अधूरी तैयारियों से लागू जीएसटी से व्यवसायियों की समस्याएं ही बढ़ीं। मार्च, 2020 से देश भर में आये कोरोना संक्रमण से लाखों व्यवसाय और उद्योग-धंधे ठप हो गये। 5 ट्रिलियन इकानॉमी का दावा करने वाली मोदी सरकार न व्यवसाय सेक्टर को समय पर मदद दे पाई और न ही उद्योग जगत को सम्भाल पाई। बेहद कठिन अवस्था में किसी तरह काम-धंधे चालू तो हुए परन्तु पूरी क्षमता पाने में उन्हें देर लगी। इस बीच बड़ी संख्या में लोगों को बंद होती इकाइयों से निकाल दिया गया। ग्रामीण और शहरी दोनों ही क्षेत्रों में बेरोजगारों की संख्या बढ़ती चली गई। मार्च, 2021 आते-आते हालात कुछ सुधरे। मार्च में बेरोजगारी दर 6.50 प्रतिशत थी जो अप्रैल 21 में 7.97, मई में 11.90 और जून में 9.17 प्रतिशत रही। अगस्त महीने में हरियाणा (35.7 प्रतिशत), राजस्थान (26.7 प्रतिशत) और झारखंड (16 प्रतिशत) सर्वाधिक बेरोजगारी दर वाले राज्य रहे। आंकड़ों में यह भी बतलाया गया है कि एक ओर जहां रोजगार की दर घटी है वहीं लेबर फोर्स में भागीदारी की दर बढ़ी है। अर्थात नौकरी पाने की इच्छा रखने वालों की संख्या बढ़ी है। सीएमआईई द्वारा हर माह जारी होने वाले आंकड़ों में यह भी उजागर हुआ है कि जुलाई में 3 करोड़ लोग काम की तलाश में थे।

अगस्त के दूसरे पखवाड़े में शेयरों की कीर्तिमान उड़ान

दूसरा कीर्तिमान 24 अगस्त को सेंसैक्स द्वारा 56 हजार बिंदु पार करके 56,023.22 तक उड़ान भरने का बनाया गया। तीसरा कीर्तिमान 31 अगस्त को 57,600 तक पहुंचकर सेंसैक्स ने बाजार बंद के समय 57,552.39 बिंदु तक का कीर्तिमान कायम किया। सेंसैक्स का अनुसरण करते हुए निफ्टी ने भी 13 अगस्त को 16,364 और 31 अगस्त को 17,153 तक उड़ने का कीर्तिमान बनाया। अगस्त माह में निवेशकों की आईटी., बैंकिंग, ऑटो और बिजली के शेयरों की भारी लिवाली रही। बाजार में तेजी का एक कारण अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर में 19 प्रतिशत की तेजी भी रही।

- डॉ. हनुमन्त यादव

यदि निवेशकों ने मुनाफा बिकवाली के लिए बड़ी मात्रा में शेयरों की बिकवाली नहीं कि तो सेंसैक्स के 10 सितंबर से पहले 59 हजार बिंदु और सितंबर माह के पखवाड़े में सेंसैक्स के कोराना काल के बावजूद 60 हजारी बन जाने की पूरी संभावना है। अगस्त माह के पहले सप्ताह तक किसी ने भी सेंसैक्स के अगस्त के अंतिम पखवाड़े से सितंबर के पहले पखवाड़े तक की इस हवाई उड़ान की किसी ने भी कल्पना नहीं की थी। जुलाई माह के अंतिम कारोबार दिन 30 जुलाई को सेंसेक्स 52,586 बिंदु और निफ्टी 15,763. बिंदु पर बंद हुए थे। भारतीय शेयर बाजार में पूरे अगस्त माह में तेजी रही तथा लिवाली के कीर्तिमान बनते रहे। 31 अगस्त को सेंसैक्स 57,552.39 बिंदु और निफ्टी 17,132.39 बिंदु के स्तर पर बंद हुए। इस प्रकार जुलाई और अगस्त माह के अंतिम कारोबारी दिन सेंसैक्स में लगभग 5 हजार और निफ्टी में 2400 का अंतर था। अगस्त महीने में शेयरों में पहले कारोबारी दिन से ही तेजी रही। 13 अगस्त को भारी लिवाली के कारण सेसैक्स ने दौड़कर 55 हजार पार कर के 55,437.29 तक पहुंचने का कीर्तिमान कायम किया। दूसरा कीर्तिमान 24 अगस्त को सेंसैक्स द्वारा 56 हजार बिंदु पार करके 56,023.22 तक उड़ान भरने का बनाया गया। तीसरा कीर्तिमान 31 अगस्त को 57,600 तक पहुंचकर सेंसैक्स ने बाजार बंद के समय 57,552.39 बिंदु तक का कीर्तिमान कायम किया। सेंसैक्स का अनुसरण करते हुए निफ्टी ने भी 13 अगस्त को 16,364 और 31 अगस्त को 17,153 तक उड़ने का कीर्तिमान बनाया। अगस्त माह में निवेशकों की आईटी., बैंकिंग, ऑटो और बिजली के शेयरों की भारी लिवाली रही। बाजार में तेजी का एक कारण अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर में 19 प्रतिशत की

तेजी भी रही। कारपोरेट के सभी सेक्टरों में तेजी रहने के कारण बाजार हरे निशान पर बंद हुए। इनमें एफएमसीजी, फायनेंस सर्विस बैंक, रियल्टी, प्रायवेट बैंक, मेंटल, आईटी, पीएसयू बैंक, फार्मा और आटो सभी शामिल थे। कोरोना वायरस महामारी की दो लहरों का सामना कर चुके देश की अर्थव्यवस्था मजबूती के साथ पटरी पर लौट रही है। भारत में ऑटोमोबाइल सेक्टर के वाहनों की बिक्री तेज हुई है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जारी सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही अप्रैल-जून के आंकड़ों के अनुसार, भारत की जीडीपी विकास दर 20.1 प्रतिशत रही है। भारत की जीडीपी दर चीन की जीडीपी विकास दर 7.9 प्रतिशत से बहुत बेहतर मानी जा रही है। यह देखकर विदेशी निवेशकों का उत्साह भारतीय शेयरों में निवेश में बहुत बढ़ा है।

अगस्त माह में सभी कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी हुई है। 31 अगस्त को कुल बाजार पूंजीकरण 200 लाख करोड़ से भी अधिक हो गया है। यद्यपि टाटा कंसल्टेसी सरीखी कंपनियों के बाजार पूंजीकरण दूसरी कंपनियों की तुलना में नीचा रहा है। इसके बावजूद 31 अगस्त को बाजार पूंजीकरण में रिलायंस के बाद दूसरे स्थान पर थी। 31 अगस्त को चुनिंदा बड़े कारपोरेट का बाजार पूंजीकरण इस प्रकार था- रिलायंस इंडस्ट्रीज 13.49 लाख करोड़ रुपए, टीसीएस 12.30 लाख करोड़ रुपए एचएडएफसी बैंक 8.18 लाख करोड़ रुपए, इंफोसिस 6.67 लाख करोड़ रुपए, हिन्दुस्तान यूनीलीवर 5.85 लाख करोड़ रुपए, एचएडएफसी हाउसिंग फायनेंस 4.48 लाख करोड़, आईसीआईसीआई बैंक 4.43 लाख करोड़ रुपए, विप्रो 3.95 लाख करोड़ रुपए, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया 3.79 लाख करोड़ रुपए, कोटक महिन्द्रा 3.40 लाख करोड़ रुपए, बजाज फायनेंस 3.62 लाख करोड़ रुपए, भारती एअरटेल 2.88 लाख करोड़ रुपए, एशियन पेंटस 2.88 लाख करोड़ रुपए, और आईटीसी लिमिटेड 2.49 लाख करोड़ रुपए।

1 सितम्बर, 2013 से प्रसिद्ध वित्तीय व साख निर्धारण संस्थान स्टेंडर्ड एंड पुअर्स के निर्देशन में सेंसेक्स को तैयार किए जाने के कारण आजकल इस बीएसई सूचकांक को एस एण्ड पी बीएसई सेंसेक्स भी कहा जाता है। बीएसई सेंसेक्स में शामिल शेयरों की कम्पनियों को दस वर्गों में बांटा गया है, ये वर्ग हैं- वित्तीय, सूचना प्रौद्योगिकी, बाजार में तेज गति से बिकने वाले उपभोक्ता वस्तुएं, परिवहन साज-सामान, तेल व प्राकृतिक गैस, पूंजीगत वस्तुएं, हेल्थ केयर, धातु, व धातु पदार्थ, टेलीकॉम तथा ऊर्जा। सेंसेक्स भारित सूचकांक है, इसमें वित्तीय शेयरों को 32 प्रतिशत, सूचना प्रौद्योगिकी शेयरों को 16 प्रतिशत, परिवहन साज-सामान को 11.5 प्रतिशत तथा बाजार में तेज गति से बिकने वाले उपभोक्ता वस्तुओं के शेयरों को 11 प्रतिशत भार दिया गया है। इस प्रकार चार वस्तु समूह को 70.5 प्रतिशत भार दिया गया है। इसलिए इन चार वर्ग के शेयरों से सेंसेक्स की दशा व दिशा प्रभावित होती है। स्टेंडर्ड एंड पुअर्स द्वारा आजकल दो प्रकार के लगभग चार दर्जन सूचकांक तैयार किए जाते हैं। पहला, सूचकांक वर्ग और दूसरा वस्तुओं के वर्गवार सूचकांक। पहले वर्ग में 31 अगस्त को सूचकांक इस प्रकार थे- बीएसई 100 इंडेक्स 17,5956 बीएसई 200 इंडेक्स 7486, बी.एसई मिडकैप इंडेक्स 24382, बी.एसई स्मालकैप इंडेक्स 27,305, बीएसई लार्ज मिडकैप इंडेक्स 7470, बीएसई मिड-स्माल कैप इंडेक्स 6903। सूचकांक का दूसरा वर्ग अलग-अलग उद्योगों के वर्ग आधार पर बनाया गया है। उदाहरण के लिए 31 अगस्त को सूचकांक मूल्य इस प्रकार थे- बीएसई बेसिक मटेरियल इंडेक्स 5769, बीएसई इनर्जी इडेक्स 7496, सूचना प्रौद्योगिकी इंडेक्स 34,409, बीएसई मैन्यूफैक्चरिंग इंडेक्स 601, बीएसई इंफ्र ास्ट्रक्चर इंडेक्स 241, बीएसई फायनेस इंडेक्स 7784, बीएसई ऑटो इंडेक्स 22,676, बीएसई पावर इंडेक्स 2998, बीएसई मेटल इंडेक्स 20,617, बीएसई हेल्थ केयर इंडेक्स 26,754, बीएसई प्रायवेट बैंक इंडेक्स 13,358, बीएसई पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग इंडेक्स 7742, बीएसई ऑयल एंड गैस इंडेक्स 17,552, आदि।

बेहतर स्वास्थ्य के लिए औद्योगिक प्रदूषण पर नियंत्रण आवश्यक

- आलोक शुक्ला

पर्यावरण प्रदूषण से बचने के लिए देश में ठोस मुहिम चलाने की जरूरत है। केंद्र और राज्य सरकारों को औद्योगिक इकाइयों को उनके उत्पादन के अनुसार पेड़-पौधे लगाने और इनकी समुचित देखभाल के लिए निर्देश देना चाहिए। फैक्ट्री, उद्योग लगने के बाद वहां वनाच्छादित क्षेत्र बढ़ाने का टारगेट देने के साथ ही खेती योग्य जमीन पर दुष्प्रभाव से बचाने का नियम भी सख्ती से लागू करना चाहिए। प्रकृति स्वयं ही अपने को संतुलित करने की शक्ति रखती है। किसी भी देश की संपन्नता में वहां की औद्योगिक इकाइयों का मुख्य स्थान होता है किन्तु औद्योगिक इकाइयों की वजह से होने वाले अपेक्षित विकास और पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभावों का विश्लेषण कर इनकी स्थापना की अनुमति दी जानी चाहिए। उद्योगों से वायु प्रदूषण, मृदा प्रदूषण और जल प्रदूषण की समस्याएं उत्पन्न होती हैं। एक विकासशील देश होने के नाते भारत में भी बड़े पैमाने पर औद्योगिकीकरण की प्रक्रिया शुरु हुई जिसकी वजह से आज देश को सभी प्रकार के प्रदूषण की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। आंकड़े बताते हैं कि भारत का स्थान प्रदूषण के मामले में पाकिस्तान, मंगोलिया, अफगानिस्तान और पड़ोसी देश बांग्लादेश के बाद पांचवें स्थान पर है।

स्विस संगठन आईक्यू एयर ने वर्ल्ड एयर क्वालिटी रिपोर्ट, 2020' में कहा है कि दुनिया के सबसे प्रदूषित 30 शहरों में से 22 भारत में हैं। दिल्ली दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित राजधानी शहरों की लिस्ट में टॉप पर है। विश्व के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में गाजियाबाद दूसरे स्थान पर है। उसके बाद बुलंदशहर, बिसरख जलालपुर, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, कानपुर, लखनऊ और भिवाड़ी का नंबर आता है।

सूची के राज्यवार विवरण के अनुसार, उत्तर प्रदेश का गाजियाबाद, बुलंदशहर, बिसरख जलालपुर, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, कानपुर, लखनऊ, मेरठ, आगरा और मुजफ्फरनगर,

राजस्थान में भिवाड़ी, हरियाणा में फरीदाबाद, जींद, हिसार, फतेहाबाद, बंधवाड़ी, गुरुग्राम, यमुनानगर, रोहतक और धारुहेड़ा तथा बिहार में मुजफ्फरपुर सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में शामिल है। रिपोर्ट में कोविड-19 लॉकडाउन के प्रभावों और दुनिया भर में पीएम 2.5 प्रदूषण के कारकों में आए बदलाव को भी बताया गया है, जिसके अनुसार दुनिया में सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर है चीन का शिंजियांग। उसके बाद शीर्ष 10 में से नौ शहर भारत के हैं। भारत में प्रदूषण की मुख्य वजह परिवहन, भोजन पकाने के लिए ईंधन जलाना, बिजली उत्पादन, उद्योग-धंधे, विनिर्माण कार्य, कचरा जलाना और समय-समय पर पराली जलाया जाना माना गया है। भारत सहित सारे विश्व में प्रदूषण की समस्या मानव निर्मित है। मानव सभ्यता का विकास नदियों के किनारे हुआ और जल प्रदूषण की समस्या तभी से है। भारत में जल प्रदूषण बहुत बड़ा पर्यावरणीय संकट है और बिना ट्रीटमेंट किया हुआ सीवरेज का पानी इसका सबसे बड़ा स्त्रोत है। खेतों और छोटे व मंझोले उद्योगों से आने वाला रसायन युक्त पानी भी जल प्रदूषण का दूसरा बड़ा कारण है। स्थिति इतनी गंभीर है कि भारत में ऐसा कोई भी जल स्त्रोत नहीं बचा है जो प्रदूषित न हो। विशेषज्ञों का कहना है कि देश के 80 प्रतिशत से ज्यादा जल स्त्रोत प्रदूषित हैं, खास तौर पर वे स्त्रोत जिनके आसपास घनी आबादी है। यही कारण है कि आज गंगा और यमुना जैसी बड़ी नदियां भारत की सबसे प्रदूषित नदियों में शामिल हैं। पर्यावरण विशेषज्ञों का कहना है कि औद्योगिक कूड़ा, कृषि क्षेत्र में अनुचित गतिविधियां, मैदानी इलाकों में बहने वाली नदियों के पानी की गुणवत्ता में कमी, सामाजिक और पानी में शव बहाने जैसे धार्मिक रीति-रिवाज, नहाने, कचरा फेंकने, जहाजों से होने वाला तेल का रिसाव, एसिड की बारिश, ग्लोबल वार्मिंग, यूट्रोफिकेशन (शैवालों का असामान्य विकास), औद्योगिक कचरे के निपटान की अपर्याप्त व्यवस्था और डीनाइट्रिफिकेशन के कारण देश में जल प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है।

गांवों से शहरों की ओर लगातार हो रहा पलायन और तेजी से हो रहे अनियंत्रित व योजनाहीन शहरीकरण के कारण जल स्त्रोतों पर भारी दबाव पड़ा है। पर्यावरण विशेषज्ञों का अनुमान है कि घरेलू इस्तेमाल का 80 प्रतिशत पानी खराब हो जाता है और एक लाख से ज्यादा आबादी वाले शहरों में 16,662 मिलियन लीटर खराब पानी एक दिन में निकलता है। उल्लेखनीय बात तो यह है कि इन शहरों के 70 प्रतिशत लोगों को सीवरेज की सुविधा मिली हुई है और देश का करीब 33 फीसदी खराब पानी गंगा नदी के किनारे बसे शहरों और कस्बों से उत्पादित हो रहा है। वायु प्रदूषण भी मानव निर्मित गंभीर समस्या है जो रसायनों, सूक्ष्म पदार्थ या जैविक पदार्थ के कारण मानव या अन्य जीव-जंतुओं और अंततः पर्यावरण को क्षति पहुंचाता है। श्वास रोगों का मुख्य कारण वायु प्रदूषण है जो जानलेवा भी साबित होता है। वायु प्रदूषण की मुख्य वजह मोबाइल, ऑटोमोबाइल्स, कार्बन डाइऑक्साइड जैसी जहरीली गैसें हैं। इन गैसों के कारण ग्लोबल वार्मिंग की समस्या बढ़ रही है। धूल और धुएं के रूप में सूक्ष्म पदार्थ नाक में प्रवेश कर गंभीर बीमारियां पैदा करते हैं। इनके अलावा विषाक्त धातुएं, जैसे जस्ता, कैडमियम, ताम्बा, कृषि प्रक्रिया से उत्सर्जित अमोनिया, कूड़ा, सीवरेज, औद्योगिक प्रक्रिया से उठने वाली गंध, परमाणु विस्फोट व युद्ध विस्फोटकों और प्राकृतिक प्रक्रियाओं से उत्पन्न रेडियोधर्मी प्रदूषण पर्यावरण को हानि पहुंचा रहे हैं। छत्तीसगढ़ भी औद्योगिक प्रदूषण की समस्या से जूझ रहा है। यहां भिलाई स्टील प्लांट पहला बड़ा उद्योग था। छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद कुछ वर्षों में ही यहां स्पंज आयरन उद्योग, पावर प्लांट, सीमेंट फैक्ट्री आदि की संख्या बढ़ी। कोरबा, रायपुर, दुर्ग, रायगढ़ आदि में औद्योगिकीकरण पहले से ही हो रहा था। औद्योगिक विस्तार की चाह में बिना किसी ठोस कार्ययोजना और निर्धारित मानदंडों की उपेक्षा कर उद्योग स्थापित किए जाने लगे। छत्तीसगढ़ में औद्योगिक विकास से वायु प्रदूषण, मृदा प्रदूषण और जल प्रदूषण,तीनों ही बढ़ते जा रहे हैं। रायपुर के सरोरा, धरसींवा में फैक्ट्रियों के धुएं से हवा में जहरीले तत्व फैल चुके हैं।

सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए

सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए।
जो भी फ़र्ज़ हमसे जुड़े थे, हर फ़र्ज़ निभा कर चले गए।
कहते हैं के हर अधिकार से जुड़ा एक फ़र्ज़ होता है।
आप हर अधिकार हमें देकर हर फ़र्ज़ का ऋणी बना कर चले गए।
कभी सोचा भी नहीं था के आप यूं चले जाएंगे।
आज भी लगता है मानो अभी लौट कर आ जाएंगे।
जिंदगी की सारी खुशियां हमें देकर अपने जाने का ग़म दे चले गए।
सच तो ये है के आप हमें ऋणी बना कर चले गए।
घर की हर छोटी सी चीज़ भी आपकी याद दिलाती है।
कितना कुछ किया आपने हमारे लिए हर चीज गवाह बन जाती है।
घर के हर कोने से आप ज़िंदगी की सबसे मीठी याद देकर चले गए।
सच तो ये है कि आप हम ऋणी बनाकर चले गए।
कहते हैं कि पिता का दिल कठोर होता है वो कभी नहीं रोता है।
पर मेरे दूर जाने के गम में पलकें भिगोते मैंने आपको देखा है।
पिता की परिभाषा बदल कठोरता को प्रेम में बदल कर चले गए।
सच तो ये है की आप हमें ऋणी बना कर चले गए।
मेरा बच्चा मेरे लिए ये करेगा बचपन में ये हर मां बाप कहते हैं।
कुछ भी नहीं कर पाए आपके लिए आज भी इसलिए तड़पते हैं।
अपने इस निस्वार्थ प्रेम में हम सबको डूबो कर चले गए।
सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए।
जैसे जो मांगा सब कुछ दिया है, उम्मीद है कि ये भी देंगे।
आपके ऋण कुछ उतारने का, उम्मीद है आप अवसर देंगे।
लौटेंगे आप फिर हमारे बीच अनजाने ही ये उम्मीद दे चले गए।
सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए।

पान फ्लेवर पसंद करने वाले बप्पा के भोग के लिए तैयार करें पान मोदक

आने वाली 10 सितंबर से गणेशोत्सव की शुरूआत होने वाली है। ऐसे में भगवान को प्रसन्न करने के लिए तरह-तरह का भोग लगाया जाता है। 10 दिन तक चलने वाले इस पर्व में गणपति बप्पा को तरह-तरह के भोग लगाए जाते हैं। सभी भोग में भगवान को प्रिय मोदक भी होते हैं। बाजार में मोदक कई प्रकार के मिलते हैं, लेकिन घर में बने प्रसाद का स्वाद अलग ही होता है। खाने में अलग और स्वादिष्ट। ऐसे में आज आपको बताने वाले हैं पान मोदक की रेसिपी। अगर आपको पान फ्लेवर पसंद है, तो यकीन मानिए बप्पा का ये भोग आपको खूब पसंद आएगा।

पान मोदक बनाने की सामग्री

1 बड़ा मोदक
आधा कप कंडेंस्ड मिल्क
5 पान के पत्ते
4 चम्मच गुलकंद
1/4 कप कटे हुए काजू और बादाम
1 छोटा चम्मच घी

कैसे बनाएं पान मोदक

सबसे पहले पान के पत्तों और कंडेस्ड मिल्क को एक साथ पीस लें फिर धीमी आंच पर घी में नारियल को भूनें कम से कम 3 से 4 मिनट के लिए। अब इसमें पान मिक्सर को एड करें और अच्छे से चलाएं। गाढ़ा होने के बाद आंच बंद करें और ठंडा होने दें। अब मेवा और गुलकंद को एक साथ मिक्स करें और स्टफिंग तैयार करें। हाथों पर घी लगाएं और मिश्रण को हाथ से रोटी की तरह फ्लैट करें। ध्यान दें कि ये थोड़ी मोटी हो। अब रोटी पर गुलकंद डालें और गोल आकार दें। अब मोदक मोल्ड में डालें और प्लेट में रखें। भोग लगने के लिए पान मोदक तैयार हैं।

दालचीनी खाने के फायदों के बारे में खूब सुना होगा अब जानें इसके नुकसान

दालचीनी एक बहुत ही सामान्य मसाला है, जो हर भारतीय घर में मिल जाता है। यह दुनियाभर के खाने में इस्तेमाल किया जाता है। सर्दी जुखाम होने पर दालचीनी का काढ़ा पीने की सलाह भी दी जाती है। दालचीनी अपने स्वादिष्ट गुणों के अलावा स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद होती है, लेकिन ज्यादा दालचीनी का सेवन भी सेहत के लिए हानिकारक साबित हो सकता है। आज बात करने वाले हैं दालचीनी के एडवर्स इफेक्ट के बारे में।

1) अध्ययनों के मुताबिक, अधिक मात्रा में दालचीनी का सेवन आपके लिवर को स्थायी रूप से नुकसान पहुंचा सकता है। दालचीनी में कौमरीन नामक एक पदार्थ होता है, जो आपके लीवर के लिए खराब होता है।

2) रोजाना 2 चम्मच दालचीनी आपके लीवर के स्वास्थ्य को खतरे में डाल सकता है। यह अंग को अपरिवर्तनीय क्षति पहुंचा सकता है, जो कभी-कभी जीवन के लिए खतरा बन सकता है। वहीं सलाह दी जाती है कि स्वस्थ रहने के लिए एक चम्मच से अधिक दालचीनी का सेवन नहीं करना चाहिए।

3) दालचीनी में कौमरीन होता है, ऐसे में दालचीनी का दैनिक सेवन की मात्रा से ज्यादा खाया जाता है, तो कुछ भागों में कैंसर ट्यूमर का विकास के जोखिम का कारण भी हो सकता है। दालचीनी का यह कैंसर कारी प्रभाव इस तथ्य के कारण है कि यह समय के साथ डीएनए में गिरावट का कारण बनता है, जो एंड में शरीर में कुछ प्रकार के कैंसर के विकास की ओर ले जाता है। इसलिए सलाह दी जाती है कि रोजाना आप कितनी दालचीनी खा रहें हैं इस बात का ध्यान रखें।

4) दालचीनी दो चीजों से बनी होती है। जिनमें से एक के बारे में हम आपको पहले ही बता चुके हैं यानी कौमरीन और दूसरा केमिकल कंपाउंड है, जो सिनामाल्डिहाइड नाम से जाना जाता है। सिनामाल्डिहाइड आपके शरीर में प्रवेश करते ही आपके शरीर के फ्ल्यूड के साथ काम करता है, जैसे की आपके मूंह के संपर्क में आता है। अगर ज्यादा खाया जाए तो मुंह में एलर्जी हो सकती है। जिससे मुंह में जलन, घाव औफ मसूड़ों और जीभ के आसपास सूजन हो सकती है। हालांकि ये तभी होता है जब आप ज्यादा मात्रा में दालचीनी का सेवन करते हैं।

5) टाइप-2 डायबिटीज के रोगियों में शुगर लेवल के स्तर को कं करने के लिए दालचीनी को एक अचूक उपाय माना जाता है। हालांकि बहुत ज्यादा खाने से आपका ब्लज प्रेशर लो हो सकता है।

महंगी ऐंटी-एजिंग क्रीम नहीं, चेहरे पर ग्लो बनाए रखने के लिए 5 मिनट करें ये फेशियल योग

चेहरे पर बढ़ती उम्र का असर न दिखे इसके लोग तरह-तरह के महंगे प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। इन प्रोडक्ट्स के केमिकल कई बार साइड इफेक्ट्स पहुंचाने वाले हो सकते हैं। बढ़ती उम्र के निशानों का आने से रोका नहीं जा सकता लेकिन इनके आने का समय कुछ बढ़ाया जा सकता है। बेहतर है इसके लिए नैचुरल तरीकों का इस्तेमाल किया जाए। इनमें से एक तरीका है फेशियल योगा। यहां आप जान सकती हैं 1 मिनट में की जाने वाली एक्सरसाइज जिससे आपके चेहरे का ग्लो बरकरार रहेगा।

खाएं ऐंटी-ऑक्सीडेंट फूट्स

बढ़ती उम्र के साथ कोलैजन घटने लगता है जिससे हमारी स्किन में झुर्रियां नजर आती हैं और इसका लचीलापन कम हो जाता है। इससे बचने के लिए हम खाने में ऐसे फल और सब्जियां शामिल कर सकते हैं जिनमें ऐंटी-ऑक्सीडेंट की मात्रा भरपूर होती है। जैसे, नींबू, आंवला, टमाटर, बेरीज। वहीं योग के जरिए भी हम बढ़ती उम्र की निशानियों काफी दिनों तक डिले कर सकते हैं।

फेशियल टैपिंग से होंगे फायदे

टैपिंग के काफी फायदे होते हैं। वैसे तो पूरी बॉडी को थपथपाने के काफी फायदे होते हैं। इसी तरह फेशियल टैपिंग आपकी स्किन के लिए काफी अच्छी होती है। इसके लिए आपको दो उंगलियों से चेहरे को टैप करना है। टैपिंग की शुरुआत आइब्रोज के ऊपर से करें। माथे के बीच से लेकर कानों तक 90 सेकेंड्स तक टैप करें। इसके बाद नाक के गल से चीकबोन्स को कान तक टैप करें। फाइनली होंठों के दोनों किनारों से कान तक टैप करें। तीनों पार्ट्स पर आपको 90-90 सेकेंड तक टैप करना हैं। आप चाहें तो ऐसे भी पूरे चेहरे को हल्के हाथ से 5 मिनट तक टैप कर सकते हैं। यह आपकी स्किन के लिए काफी फायदेमंद होता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता निष्क्रिय करने की वजह से अधिक संक्रामक बना डेल्टा स्वरूप, अध्ययन में दावा

सार्स-सीओवी-2 संक्रमण का डेल्टा स्वरूप संभवत: रोग प्रतिरोधक क्षमता निष्क्रिय करने में सक्षम होने की वजह से अधिक संक्रामक है। नेचर पत्रिका में मंगलवार को प्रकाशित एक अध्ययन में यह दावा किया गया है।

कोविड-19 का स्वरूप बी.1.617.2 या डेल्टा का पहला मामला 2020 अंत में भारत में सामने आया था और इसके बाद यह पूरे विश्व में फैला। अनुसंधानकर्ताओं की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने संक्रमण पर टीके के असर के प्रयोगशाला आधारित और महामारी विज्ञान आधारित संयुक्त प्रयोगों में पाया कि डेल्टा स्वरूप अन्य स्वरूप की तुलना अधिक तेजी से फैलता है।

ब्रिटेन में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एवं अध्ययन के वरिष्ठ लेखकों में से एक रवींद्र गुप्ता ने कहा, भारत में 2021 में संक्रमण की दूसरी लहर के कहर के दौरान इन कारकों की भूमिका बहुत रही होगी, जहां कम से कम आधे मरीज वे थे, जो पहले भी संक्रमण के अन्य स्वरूप की चपेट में आ चुके थे। यह जांचने के लिए कि डेल्टा स्वरूप प्रतिरोधक प्रतिक्रिया से बचने में कितना सक्षम था, टीम ने ब्रिटेन के नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ रिसर्च (एनआईएचआर) बायोरिसोर्स के कोविड-19 कोहोर्ट (जांच के) के हिस्से के रूप में एकत्र किए गए रक्त के नमूनों से सीरम निकाला।

इन ट्रिक्स की मदद से हेयर स्टाइलिंग को बनाएं आसान, मिन्टों में हो जाएं: ये नमूने उन लोगों के थे, जो पहले कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुके थे या जिन्हें ऑक्सफोर्ड/एस्ट्राजेनेका (जिसे भारत में कोविशील्ड कहा जाता है) का टीका या फाइजर का टीका लगा था। सीरम में संक्रमण या टीकाकरण के बाद बनी प्रतिरोधक क्षमता होती है। अध्ययन में पाया गया कि डेल्टा स्वरूप पहले से संक्रमित लोगों के सीरा की तुलना में 5.7 गुना कम संवेदनशील है और अल्फा स्वरूप की तुलना में टीके के सीरा के प्रति आठ गुना कम संवेदनशील है। अन्य शब्दों में, टीका लगे किसी व्यक्ति को इससे संक्रमित होने से रोकने के लिए आठ गुना प्रतिरोधक क्षमता चाहिए।

इन ट्रिक्स की मदद से हेयर स्टाइलिंग को बनाएं आसान, मिन्टों में हो जाएंगी रेडी

किसी भी त्योहार या पार्टी में तैयार होने के लिए हेयरस्टाइल मुख्य भूमिका निभाता है। अगर आपने बेहतरीन ड्रेस कैरी किया है तो उसके साथ अच्छा हेयर स्टाइल होना बहुत जरूरी है। अक्सर हेयर स्टाइल करने में काफी समय लग जाता है,लेकिन अगर आप जल्दी में हों तो आप हेयर स्टाइल को स्किप कर देते हैं। जिसकी वजह से आपके लुक को बिगड़ने में देर नहीं लगती। भले ही आपके बाल मीडियम या शॉर्ट लेंथ के हों, हेयरस्टाइलिंग का होना जरूरी है। कई बार तो ऐसा हो जाता है कि बाल बनाने में तैयार होने से ज्यादा समय लग जाता है। ऐसे में इरिटेशन होना स्वभाविक है। ऐसे में आज हम आपको कुछ हैक्स के बारे में बताने वाले हैं जिनकी मदद से आप हेयरस्टाइलिंग में काफी समय बचा सकती हैं।

ट्रिक 1

अगर फ्रंट ट्विस्टिंग हेयर स्टाइल बनाने का सोच रही हैं तो आप इसे करने के लिए पेंसिल की मदद ले सकती हैं। इसे करने के लिए बालों को दो हिस्से में बांट लें, फिर पेंसिल को बालों के बीच में रखें और फिर उसे ऊपर-नीचे करती जाएं। इस तरह बालों के बीच में पेंसिल होने से वह आसानी के ट्विस्टेड हेयर को पिनअप करें।

ट्रिक 2

एलीगेंट और ब्यूटीफुल लुक के लिए फ्रेंच बन बनाया जा सकता है। हालांकि कई बार इसे बनाने में ज्यादा समय लग जाता है। लेकिन अगर आप इसे जल्दी में बनाना चाहती हैं, तो इस ट्रिक की मदद ले सकती हैं। बालों को अच्छे से कंघी करें और पीछे से सारे बालों को एक साथ लें। अब आप बालों को ट्विस्ट करते हुए सिंपल बन बनाएं। फिर आप बन को एक साइड से नीचे से ऊपर की ओर फ्लिप करें और बस आपका फ्रेंच बन तैयार हो जाएगा।

ट्रिक 3

पोनीटेल हर लुक के साथ अच्छी लगती है। लेकिन अगर इसको ट्विस्ट लुक देना चाहती हैं तो ऐसे में इस हैक की मदद ले सकती हैं। इसके लिए एक पेन की जरूरत होदी। आपको बस अप फ्रंट से दोनों साइड से थोड़े-थोड़े बाल छोड़ों और बचे बालों से सिंपल पोनीटेल बनाएं। अब पोनीटेल के बीच में एक पेन फसाएं और फ्रंट साइड से छोड़ दें। दोनों साइड से पेन के उपर एक एक करके फ्लिप करते जाएं। दोनों साइड से तीन-चाल लेयरिंग पीछे करें। पोनीटेल के नीचे बालों को रबर लगाकर फिक्स करें और पेन निकाल लें।

उप्र चुनाव में बीएसई का ब्राह्मण कार्ड

मायावती ने त्रिशूल लहराकर किया ब्राह्मणों के सपोर्ट से जीत का दावा

बोलीं- इस बार मूर्तियां और संग्रहालय बनाने में ताकत नहीं खपाएंगे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज लखनऊ

लखनऊ में मंगलवार को प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन के समापन समारोह में मायावती ने हाथ में त्रिशूल लहराकर सर्व समाज के सम्मान की बात कही। बीएसई सुप्रीमो मायावती ने मंगलवार को लखनऊ में प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के अभियान की शुरूआत कर दी। मायावती ने स्पष्ट कर दिया कि चुनावी अभियान के केंद्र में ब्राह्मण ही होंगे। उन्होंने मंच से त्रिशूल लहराकर कहा कि हर विधानसभा में पार्टी 1000 ब्राह्मण कार्यकर्ता बनाएगी। ब्राह्मण और सभी वर्गों के लोग 2007 की तरह पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएंगे। मायावती का बीजेपी पर तंज- भाभियों को लेकर घूमने से सरकार नहीं बनेगी मायावती ने कहा- अगर अगले चुनाव में बीएसई की जीत होती है तो इस बार फोकस प्रदेश की नई तस्वीर बनाने पर रहेगा, मूर्तियां और संग्रहालय बनाने पर नहीं। मायावती ने बीजेपी पर भी निशाना साधा। कहा- ये लोग एक भाभी जी को लेकर घूम रहे हैं, जो भाजपा के लिए माहौल बना रहीं हैं। भाजपा चाहे जितनी भाभियों को लेकर घूम ले, लेकिन उनकी सरकार नहीं बनने वाली। हमने दलित आदिवासी समाज के संतों और गुरुओं को सम्मान दिया। दूसरे वर्गों के लोग चाहते हैं कि उनके संतों और गुरुओं को सम्मान दिया जाए तो उन्हें भी दिया जाएगा।

ब्राह्मण बेस्ड चुनावी तैयारी

उन्होंने कहा कि पहले चरण में सतीश चंद्र मिश्रा ने ब्राह्मण वर्ग को सफलतापूर्वक जोड़ने का काम किया। दूसरे चरण में छोटे शहरों और गांवों में युद्ध स्तर पर लोगों को बीएसई से जोड़ने का अभियान चलाया जाएगा। हर विधानसभा में ब्राह्मण समाज के 1000 कार्यकर्ताओं को तैयार करना है। इस बार प्रबुद्ध वर्ग की महिलाओं को भी पार्टी के साथ जोड़ने का काम होगा। बीएसई में ब्राह्मणोंकी भागीदारी ने विरोधी पार्टियों को चिंतित किया है। इनके अत्याचार से परेशान लोगों ने हमारी पार्टी का साथ देने का फैसला किया है।

किसानों के मुद्दे पर भाजपा-सपा को घेरा

मायावती ने कहा- भाजपा सरकार में किसानों की आय दोगुनी तो नहीं हुई, लेकिन तीन काले कृषि कानून लाकर उन पर अत्याचार जरूर किया गया। किसानों के साथ बहुजन समाज पार्टी संसद से सड़क तक साथ खड़ी है। 500 से ज्यादा किसानों की जान चली गई, लेकिन उनकी सुध लेने वाला नहीं है। हरियाणा सरकार ने अत्याचार करते हुए किसानों पर लाठीचार्ज किया। बसपा सरकार में गन्ने का मूल्य 125 रुपए प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 250 रुपए प्रति क्विंटल किया गया था। सपा सरकार ने अपने 5 साल के कार्यकाल में केवल एक बार ही गन्ने का मूल्य बढ़ाया।

मुस्लिम वोटर्स के लिए संघ प्रमुख पर निशाना

बीएसई प्रमुख ने संघ प्रमुख पर भी निशाना साधा। वे बोलीं कि मोहन भागवत ने कहा था कि हिंदू और मुसलमान का ध्र्ह्न एक है और उनके पूर्वज एक हैं। मैं पूछना चाहती हूं कि अगर उनके पूर्वज एक हैं तो भाजपा उनके साथ सौतेला व्यवहार क्यों कर रही है?

लोकसभा चुनाव के बाद पहली बार सार्वजनिक कार्यक्रम में मायावती

2019 लोकसभा चुनाव के बाद पहली बार मायावती पहली बार सार्वजनिक कार्यक्रम के मंच पर गईं। बसपा ने 23 जुलाई को राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा की अगुवाई में अयोध्या से प्रबुद्ध वर्ग विचार गोष्ठी (ब्राह्मण सम्मेलन) की शुरुआत की थी। आज लखनऊ में मॉल एवेन्यू स्थित पार्टी कार्यालय पर इस अंतिम प्रबुद्ध वर्ग के सम्मेलन का समापन हुआ। अब तक 74 जिलों में सम्मेलन हो चुके हैं। समापन सम्मेलन में सभी 75 जिलों के सम्मेलनों के ब्राह्मण कोऑर्डिनेटर को भी बुलाया गया।

उप्र विधानसभा चुनाव में इन मुद्दों पर होगा बीएसई का फोकस

विकास: मायावती ने कहा कि इस बार जब हमारी सरकार बनेगी तो मेरी ताकत मूर्तियां और संग्रहालय बनाने में नहीं लगेगी, बल्कि उत्तर प्रदेश की तस्वीर बदलने में लगेगी।

गरीब-मजदूर: उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में सपा और भाजपा की सरकारों ने संपूर्ण रूढ़िवादी सोच के चलते सर्व समाज से गरीबों, मजदूरों, कर्मचारियों, किसानों, छोटे व्यापारियों, दलितों, पिछड़ों और वंचितों का उत्पीड़न किया। हम सभी का ध्यान रखेंगे।

ब्राह्मण: वे बोलीं कि भाजपा सरकार में ब्राह्मण समाज के लोगों का खूब उत्पीड़न हुआ। हमने सरकार बनने पर ब्राह्मण समाज के लोगों का मंत्रिमंडल में भी सम्मानजनक स्थान दिया। मैं ब्राह्मण समाज से वादा करती हूं कि सरकार बनने पर ब्राह्मण समाज की सुरक्षा, सम्मान का पूरा ध्यान रखा जाएगा।

उप्र में 13 फीसदी ब्राह्मण वोटर

उप्र की राजनीति में ब्राह्मणों का वर्चस्व हमेशा से रहा है। आबादी के लिहाज से प्रदेश में लगभग 13त्न ब्राह्मण हैं। कई विधानसभा सीटों पर तो 20त्न से ज्यादा वोटर्स ब्राह्मण हैं। ऐसे में हर पार्टी की नजर इस वोट बैंक पर टिकी है। बलरामपुर, बस्ती, संत कबीर नगर, महाराजगंज, गोरखपुर, देवरिया, जौनपुर, अमेठी, वाराणसी, चंदौली, कानपुर, प्रयागराज में ब्राह्मण वोट 15 फीसदी से ज्यादा हैं। यहां उम्मीदवार की हार-जीत में ब्राह्मण वोटर्स की अहम भूमिका होती है।

ममता मुख्यमंत्री रहेंगी या नहीं, भवानीपुर से होगा तय

गुजराती, मारवाड़ी वोटर्स वाली विधानसभा से ही क्यों चुनाव लड़ रहीं दीदी?

भाजपा की तरफ से 6 नाम उन्हें चुनौती देने के लिए सामने आए

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

कोलकाता में यदि किसी को गुजराती व्यंजनों का लुत्फ उठाना होता है तो वो सीधे भवानीपुर पहुंच जाता है, क्योंकि यहां सिर्फ गुजराती रहते ही नहीं बल्कि यहां के पकवानों में भी गुजरात की महक है। मारवाड़ी, सिंधी, पंजाबी भी यहां रहते हैं, जो अधिकतर व्यवसायी हैं। ये लोग बिजनेस बड़ा बाजार में करते हैं, लेकिन रहते भवानीपुर में हैं। नॉन बंगाली वोटर्स की पॉपुलेशन यहां 60 फीसदी के आसपास है। अब इसी भवानीपुर से ममता बनर्जी 30 सितंबर को उपचुनाव लड़ने जा रही हैं। ममता सरकार के कैबिनेट मंत्री फिरहाद हकीम, भवानीपुर सीट से विधानसभा में चुनाव लड़ने वाले शोभनदेब चट् ?टोपाध्याय और ष्टरूममता बनर्जी के भाई कार्तिक बनर्जी ने उपचुनाव की कमान अपने हाथ में ले ली है।

विधानसभा में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता तैनात कर दिए गए हैं और दीदी की स्कीम्स का प्रचार भी शुरू हो चुका है। इस बार ञ्जरूष्ट की कोशिश दीदी को लाख वोटों के मार्जिन से जिताने की है। वहीं ब्छ्वक्क लेफ्ट और कांग्रेस अब तक अपने कैंडीडेट का नाम भी तय नहीं कर पाए हैं।

भवानीपुर को ही दीदी ने चुनाव लड़ने के लिए क्यों चुना?

ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस (ञ्जरूष्ट) पहली बार साल 2011 में पश्चिम बंगाल में सरकार में आई थी। तब ञ्जरूष्ट ने 34 साल पुराना लेफ्ट का किला ढहा दिया था। उस साल ममता बनर्जी ने भवानीपुर से ही उपचुनाव लड़ा था और वो करीब 54 हजार वोटों के मार्जिन से जीती थीं। 2016 में भी ममता बनर्जी ने इसी सीट से चुनाव लड़ा, हालांकि उनकी जीत का मार्जिन तब 54 हजार से घटकर 25 हजार पर आ गया था। 2011 में BJP को इस सीट पर महज 5078 वोट मिले थे, लेकिन 2014 की मोदी लहर में यह आंकड़ा बढ़कर 47 हजार को क्रॉस कर गया। 2019 के लोकसभा चुनाव में ञ्जरूष्ट की माला रॉय यहां से लड़ी थीं और उनके सामने BJP कैंडीडेट चंद्र कुमार बोस थे। तब ञ्जरूष्ट भवानीपुर से महज 3168 वोटों की लीड ले सकी थी। इसी तरह 2015 में कोलकाता नगर निगम चुनाव में तो भवानीपुर का वॉर्ड नंबर 70 BJP ने जीत ही लिया था। 2021 के विधानसभा चुनाव में TMC के शोभनदेब चट् ?टोपाध्याय ने 28 हजार वोटों के मार्जिन से BJP के रूद्रनील घोष को यहां से हराया था। TMC की लगातार जीत के चलते ही ममता बनर्जी ने भवानीपुर को फिर चुनाव के लिए चुना है।

अफगानिस्तान के काबुल में पाकिस्तान दूतावास के पास पाकिस्तान विरोधी प्रदर्शन के दौरान नारे लगाते हुए अफगान।

न्यूज ब्रीफ

देश में 13 दिन के अंदर 10 करोड़ कोरोना वैक्सीन के डोज लगे

नई दिल्ली। देश में अब तक 70 करोड़ से ज्यादा कोरोना वैक्सीन डोज लगाए जा चुके हैं। पिछले 13 दिनों के अंदर ही 10 करोड़ से ज्यादा वैक्सीन डोज लगाए गए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने मंगलवार को यह जानकारी दी है। हाल ही में हिमाचल प्रदेश ने जानकारी दी है कि वहां 18 साल से ज्यादा उम्र के 100त्न लोगों को कोरोना वैक्सीन का कम से कम एक डोज लग चुका है।

महबूबा मुफ्ती ने केंद्र पर फिर लगाया नजरबंद करने का आरोप

नईञ्दिल्ली। कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और PDP चीफ महबूबा मुफ्ती ने केंद्र सरकार पर उन्हें नजरबंद करने का आरोप लगाया है। महबूबा ने कहा कि एक तरफ केंद्र सरकार कश्मीर में हालात ठीक होने के झूठे दावे कर कर रही है तो दूसरी तरफ मुझे हालात खराब होने का हवाला देते हुए नजरबंद किया गया है। कश्मीर के अलगाववादी नेता सैयद अली शाह गिलानी की मौत के बाद कई जिलों में इंटरनेट बंद कर दिया गया था। जिसे धीरे-धीरे फिर शुरू कर दिया गया है।

अमृतसर से इटली के लिए सीधी फ्लाइट कल से

नई दिल्ली। कोरोना की रफ्तार धीमी होने के साथ ही भारतीय एयरलाइंस एयर इंडिया को कई देशों ने दोबारा से फ्लाइट शुरू करने की इजाजत दे दी है। अब अमृतसर के श्री गुरु रामदास जी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से इटली की राजधानी रोम के लिए सीधी उड़ान 8 अक्टूबर, बुधवार से शुरू होने जा रही है। यह उड़ान सप्ताह में एक बार होगी और 7 से 8 घंटों में यह सफर पूरा हो जाएगा।

पणजी के आजाद मैदान में बेरोजगारी और दैनिक वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी के विरोध में प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया।

तालिबानी ठिकानों पर सैन्य विमानों से हमला; विद्रोही सेना के लीडर बोले- खून की आखिरी बूंद बहने तक लड़ेंगे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज काबुल

तालिबान दावा कर रहा है कि उसने पंजशीर में विद्रोह का खात्मा कर दिया है और अब पूरे अफगानिस्तान पर उसका कब्जा है। इस बीच लोकल न्यूज पेपर ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि पंजशीर में तालिबानी ठिकानों पर एयरअटैक हुआ है। ये हमले अज्ञात सैन्य विमानों से किए गए हैं। इस हमले के बारे में और ज्यादा जानकारी नहीं सामने आई है। नेशनल रेजिस्टेंस फ्रंट ऑफ अफगानिस्तान (ह्रक्रस्न) के चीफ और अहमद शाह मसूद के बेटे अहमद मसूद ने तालिबानी दावे को खारिज किया है। मसूद ने कहा- पंजशीर पर पूरी तरह तालिबानियों का कब्जा नहीं हुआ है। तालिबानियों के खिलाफ लड़ रही सेनाएं अजेय हैं और हम खून की आखिरी बूंद तक ये जंग लड़ेंगे। विद्रोही नेता बोले- असली जंग पाकिस्तान से है अहमद मसूद ने भी कहा है कि पाकिस्तान वायुसेना लगातार हमले कर रही है, ताकि तालिबान आगे बढ़ सके। अब हमारी असली लड़ाई पाकिस्तान से है, क्योंकि पाक सेना और ढ्ढस्ढ्ढ तालिबानियों का जंग में नेतृत्व कर रही है। ईरान ने पंजशीर में तालिबानी हमले की निंदा की है। साथ ही कहा है कि तालिबान के हमलों में पाकिस्तान की भूमिका की जांच कर रहा है। NRF चीफ अहमद मसूद और नॉर्दर्न अलायंस के लीडर अमीरुल्ला सालेह दोनों ही तालिबानियों के खिलाफ लड़ रहे हैं। दोनों ही नेता इस वक्त ताजिकिस्तान में हैं। पाकिस्तानी एयरफोर्स ने एक दिन पहले सालेह के पंजशीर स्थित घर पर ड्रोन हमले किए थे। इसके बाद सालेह को अफगानिस्तान छोड़ना पड़ा। उनके कमांडर की इस हमले में जान चली गई थी।

तालिबानी हमले में नुकसान की बात मानी, पर हार नहीं मानी

मसूद ने कहा कि तालिबानी हमले में हमारे टॉप कमांडर अब्दुल वुदोद जारा की मौत हो गई। मसूद ने एक मैसेज जारी किया। इसमें उन्होंने कहा कि लड़ाके पंजशीर में हैं और हमारी जंग जारी रहेगी। अब पूरे अफगानिस्तान को खड़ा होना होगा। जो हथियार उठाना चाहते हैं, हम उनके साथ हैं। जो इस विरोध के साथ हैं, हम उनके साथ खड़े हैं।

मुंबई और नागपुर में कोरोना की तीसरी लहर फिर बढ़ा सकते हैं पाबंदियां

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

महाराष्ट्र के मुंबई और नागपुर में कोरोना की तीसरी लहर का प्रकोप शुरू हो गया है। राज्य के ऊर्जा मंत्री नितिन राउत ने कहा कि नागपुर में संक्रमण की तीसरी लहर आ चुकी है, इसलिए जल्द ही पाबंदियां लगा सकते हैं। उन्होंने यह बात राज्य के सीनियर प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस और स्वास्थ्य विभाग से जुड़े अधिकारियों से चर्चा के बात कही है। नागपुर में पिछले दो दिनों से लगातार कोरोना संक्रमण के केस 2 डिजिट में आ रहे हैं। वहीं, मुंबई की मेयर किशोरी पेडनेकर ने बुधवार को कहा कि मुंबई में कोरोना की तीसरी लहर आ नहीं रही है, बल्कि आ चुकी है। उन्होंने कहा कि वे गणेश चतुर्थी मनाएंगी जरूर, लेकिन अपने परिवार के साथ घर पर।

करनाल पुलिस ने राकेश टिकैत को हिरासत में लिया

हरियाणा के करनाल में किसानों ने जिला प्रशासन से बातचीत विफल होने के बाद अब जिला सचिवालय का घेराव करने का ऐलान कर दिया है। किसानों ने अनाज मंडी से सचिवालय की ओर कूच कर दिया है। सचिवालय के घेराव को निकले किसानों को पुलिस ने हाईवे पर तीन नाके पार करने के बाद रोक लिया। किसानों के आंदोलन के चलते हरियाणा के 5 जिलों में मोबाइल इंटरनेट और बल्क स्स्र्स सर्विस बंद कर दी गई हैं। गृह सचिव-1 डॉ. बलकार सिंह के आदेश के अनुसार, कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए करनाल, कुरुक्षेत्र, कैथल, पानीपत और जींद में सोमवार रात 12 बजे से मंगलवार रात 11:59 बजे तक मोबाइल इंटरनेट सेवाएं बंद रहेगी।

महाराष्ट्र में भीषण बरसात की दर्दनाक तस्वीर

नईञ्दिल्ली। महाराष्ट्र के जलगांव में बोरी नदी में बाढ़ के बाद कई गांव पानी में डूब गए हैं। सड़कों का टूट गया है। कई छोटी पुलिया भी बह गईं हैं। इस बीच एक हैरान करने वाली तस्वीर सामने आई है। अमलनेर तालुका के सतरी की रहने वाली 13 वर्षीय बच्ची आरुषि सुरेश भील सोमवार को बुखार से पीड़ित थी। पूरा गांव पानी में डूबे होने के कारण परिजन उसे हॉस्पिटल नहीं ले जा सकते थे। आखिरकार कुछ बुजुर्गों के कहने पर गांव के युवाओं ने उसे किसी तरह शहर पहुंचाने का बीड़ा उठाया, लेकिन उनकी यह कोशिश बार साबित हुई और आधे रास्ते में बच्ची ने दम तोड़ दिया।

राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष सचिन पायलट की 44वें जन्मदिन पर उनके समर्थकों द्वारा जयपुर में उनके आवास के बाहर माल्यार्पण किया गया।

न्यूज़ ब्रीफ

टोक्यो के प्रदर्शन से भविष्य में बेहतर नतीजे देने में मदद मिलेगी : सलीमा टेटे

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम की मिडफील्डर सलीमा टेटे ने कहा कि टोक्यो ओलिम्पिक में शानदार प्रदर्शन से टीम का आत्मविश्वास काफी बढा है और इससे भविष्य में बेहतर प्रदर्शन में मदद मिलेगी। भारतीय महिला हॉकी टीम अपेक्षा से बेहतर प्रदर्शन करते हुए टोक्यो ओलिम्पिक में चौथे स्थान पर रही। टेटे ने कहा कि अब टोक्यो में हमारे प्रदर्शन का प्रभाव देखने को मिल रहा है। कांस्य पदक के मैच में ब्रिटेन से हारने के बाद हम दुखी थे लेकिन हमें अब पता चल रहा है कि टूर्नामेंट से कितनी सकारात्मक बातें निकली। टेटे ने कहा कि हमने भले ही पदक नहीं जीता लेकिन काफी आत्मविश्वास पाया और इससे एक टीम के रूप में अच्छे प्रदर्शन में मदद मिलेगी। टोक्यो में बेहतरीन प्रदर्शन में मदद करने वाली सबसे अहम बात के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि हमने गोल करने के कई मौके बनाए और पेनल्टी कॉर्नर तब्दील किए। हमने अपना सब कुछ मैदान पर झोंक दिया और हार नहीं मानी। हर परिस्थिति में जुझारूपन बनाए रखा। उन्नीस वर्ष की टेटे ने कहा कि वह खुशकिस्मत हैं कि इतनी कम उम्र में उन्हें ओलिम्पिक खेलने का मौका मिला । उन्होंने कहा कि काफी दबाव वाले मैच खेलकर मैंने बहुत कुछ सीखा है जिसका फायदा आने वाली स्पर्धाओं में मिलेगा।

विश्व कप क्वालीफायर मामले को लेकर अर्जेंटीना के चार फुटबॉलरों से जांच पड़ताल कर रही है पुलिस

साओ पाउलो। विश्व कप क्वालीफाइंग मैच के लिये यहां आने पर कथित तौर पर गलत सूचना देने वाले अर्जेंटीना के चार फुटबॉल खिलाड़ियों से ब्राजील फेडरल पुलिस जांच पड़ताल कर रही है। ब्राजील और अर्जेंटीना के बीच रविवार को विश्व कप क्वालीफायर मैच सात मिनट बाद स्थगित करना पड़ा जब ब्राजील की स्वास्थ्य एजेंसी अनविसा के प्रतिनिधियों ने कहा कि वे इंग्लैंड में बसे चार खिलाड़ियों एमिलियानो मार्तिनेज, एमिलियानो ब्यूंडिया, जियोवान्नी लो सेस्सो और क्रिस्टियन रोमेरो को कोरोना प्रोटोकॉल तोड़ने के कारण हवाई अड्डे ले जा रहे हैं। एजेंसी ने कहा कि अर्जेंटीना के फुटबॉल अधिकारियों को शनिवार से पता था कि इन चार खिलाड़ियों को नहीं खेलना है क्योंकि यहां आगमन से 14 दिन पहले वे इंग्लैंड में थे लेकिन उन्होंने अधिकारियों को जानकारी नहीं दी। इंग्लैंड से आने वाले लोगों के लिये 14 दिन का पृथकवास अनिवार्य है। ब्राजील फेडरल पुलिस ने सोमवार को कहा था कि इन चारों खिलाड़ियों को लिखित बयान देने होंगे। बयान देने के बाद वे अर्जेंटीना टीम के साथ रवाना हो गए। एजेंसी के निदेशक एलेक्स काम्पोस ने कहा कि अर्जेंटीना ने उनकी सलाह की लगातार अनदेखी की। उन्होंने कहा कि हम उन्हें सीधे वापिस भेज सकते थे लेकिन हमने पृथकवास का सुझाव दिया। हमने बार बार उन्हें यह सलाह दी। बाद में रविवार को हमने उन्हें अभ्यास करते देखा। हम मैच रोकना नहीं चाहते थे लेकिन हमारे पास कोई और चारा नहीं था।

ओलिंपिक मेडल जीतने के बाद 10 गुना तक महंगे हो गए भारतीय एथलीट्स, कई स्टार क्रिकेटर्स को भी पीछे छोड़ा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

बचपन में जंगल से लकड़ियां उठाकर लाने वाली मीराबाई चानू ने टोक्यो ओलिंपिक में 202 किलो वजन उठाया। उन्हें वेटलिफ्टिंग में सिल्वर मेडल मिला। जीत के बाद एक इंटरव्यू में मीराबाई ने कहा कि घर लौटने के बाद वो पिज्जा खाना चाहती हैं। डोमिनोज ने इस पर फौरन प्रतिक्रिया देते हुए उन्हें पूरी जिंदगी फ्री पिज्जा देने का वादा किया। लौटने पर डोमिनोज ने न सिर्फ पिज्जा भिजवाया बल्कि चानू के साथ एक कॉमर्शियल डील भी की। ब्रांड्स की तवज्जो पाने वाली मीराबाई चानू अकेली ओलिंपिक मेडलिस्ट नहीं हैं।

नीरज चोपड़ा, बजरंग पूनिया, पीवी सिंधु, रवि दहिया और अन्य मेडलिस्ट को दर्जनों ब्रांड्स अप्रोच कर रहे हैं। आइए जानते हैं कि किस खिलाड़ी ने किन ब्रांड्स के साथ करार किया है? ओलिंपिक से पहले और बाद की एंडोर्समेंट फीस में कितना अंतर आया? इन एथलीट्स के साथ ब्रांड्स लंबे वक्त का करार क्यों करना चाहते हैं?

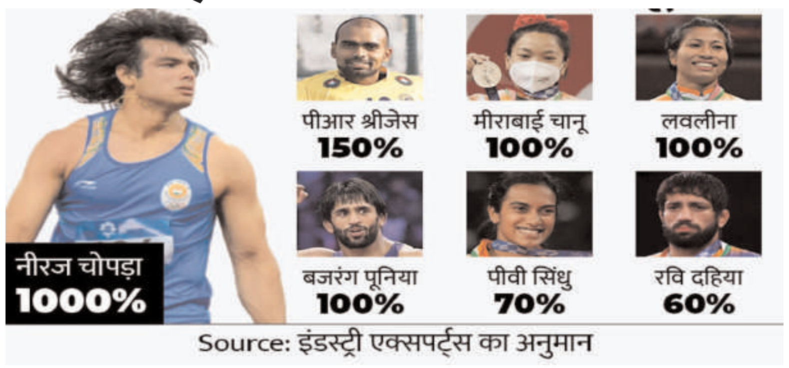

नीरज चोपड़ाः इंडस्ट्री को लंबे वक्त से था इंतजार

नीरज चोपड़ा की ब्रांड वैल्यू में 10 गुना बढ़ोतरी देखने को मिली है। नीरज को मैनेज करने वाली फर्म छ्स्ङ्क के ष्टश्वह्र मुस्तफा गौस का कहना है कि ये बढ़ोतरी उनकी मेल और नॉन क्रिकेटिंग अचीवमेंट की वजह से हुई है। अभी तक मार्केट में या तो क्रिकेटरों का दबदबा था या पीवी सिंधु, मैरी कॉम और सानिया मिर्जा जैसी महिला एथलीट्स का। नीरज ने इस धारणा को तोड़ा है। एक्सपर्ट्स का अनुमान है कि नीरज की सालाना ब्रांड एंडोर्समेंट फीस करीब ढाई करोड़ रुपए है। ओलिंपिक के पहले ये 20-30 लाख होती थी।

सिंधुः लगातार दो ओलिंपिक में मेडल से बनी साख

टोक्यो ओलिंपिक के पहले भी पीवी सिंधु कई ब्रांड्स की फेवरेट रही हैं। सिंधु को मैनेज करने वाली कंपनी बेसलाइन वेंचर्स के यशवंत बियाला के मुताबिक कई नए ब्रांड्स ने सिंधु को अप्रोच किया है और कम से कम 2-3 साल का करार करना चाहते हैं। सिंधु इकलौती भारतीय महिला हैं जिन्होंने 2 ओलिंपिक मेडल जीते हैं। उनकी सालाना एंडोर्समेंट फीस में 60-70 फीसदी की बढ़ोतरी देखी जा रही है।

मीराबाई चानूः 1 करोड़ से ज्यादा हो गई ब्रांड एंडोर्समेंट फीस

मीराबाई चानू को मैनेज करने वाली कंपनी IOS स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर राहुल त्रेहन का कहना है कि मेडल जीतने के बाद चानू के पास कई ब्रांड्स के ऑफर हैं। इनमें स्टील, इंश्योरेंस, बैंकिंग, एडुटेक, एनर्जी ड्रिंक्स और ऑटोमोबाइल जैसे सेक्टर शामिल हैं। फिलहाल चानू ने एम्वे इंडिया, मोबिल इंजन ऑइल, एडिडास ग्लोबल के साथ करार किया है। त्रेहन के मुताबिक चानू की मौजूदा एंडोर्समेंट फीस 1 करोड़ रुपए सालाना से ज्यादा है। टोक्यो ओलिंपिक से पहले ये 10 लाख के आसपास थी। टोक्यो ओलिंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीतने से पहले बजरंग पूनिया वर्ल्ड चैंपियनशिप में भी कमाल कर चुके हैं।

टेस्ट चैंपियनशिप में भारत की बादशाहत कायम

चार टेस्ट मैचों में भारत 26 अंक और 54.17 जीत प्रतिशत के साथ पहले स्थान पर बरकरार

चौथे पायदान पर पहुंचा इंग्लैंड

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

उमेश यादव और जसप्रीत बुमराह की अगुवाई में गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से भारत ने चौथे टेस्ट के अंतिम इंग्लैंड को 157 रन से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला में 2-1 की अजेय बढ़त बनाई। मैच में मिली यादगार जीत के साथ ही वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की पॉइंट टेबल में टीम इंडिया टॉप पर बरकरार है। पाकिस्तान दूसरे और वेस्टइंडीज तीसरे स्थान पर है। वहीं, इंग्लैंड की टीम चौथे स्थान पर मौजूद है।

भारत के हुए 26 पॉइंटः- ड्ड्ढ्रष्ट पॉइंट टेबल में भारत के फिलहाल 26 अंक हो गए हैं और टीम का जीत प्रतिशत 54.17 है। ओवल में मिली हार के बाद इंग्लैंड का जीत प्रतिशत 29.17 हो गया है और टीम 14 अंकों के साथ चौथे पायदान पर है। पाकिस्तान की टीम के 12 अंक के साथ दूसरा स्थान पर है और टीम का जीत प्रतिशत 50 है। तीसरे स्थान पर वेस्टइंडीज का नाम आता है। टीम के 12 अंक है और जीत प्रतिशत 50 है।

लीड्स टेस्ट के बाद हुआ था 2 अंकों का नुकसान

हर टेस्ट में जीत के लिए 12 अंक होते हैं, टाई के 6 अंक, मुकाबला ड्रॉ होने पर 4 अंक और हारने पर 0 अंक मिलते हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में 60 अंक दांव पर हैं। इन सभी अंकों को ध्यान में रखा जाए तो भारत ने अभी तक इंग्लैंड के दौरे पर दो मैच जीते हैं और एक ड्रॉ हुआ है। ऐसे में टीम इंडिया के कुल 28 अंक होने चाहिए थे, लेकिन लीड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट के बाद ड्डष्ट ने धीमी ओवर गति के कारण भारत और इंग्लैंड की टीमों के 2-2 अंकों काट लिए थे। यही कारण है कि भारत के मौजूदा समय में 26 अंक है। मौजूदा टेस्ट सीरीज का अंतिम मुकाबला 10 सितंबर से ओल्ड ट्रैफर्ड, मैनचेस्टर के मैदान पर खेला जाएगा। मैनचेस्टर टेस्ट अगर ड्रॉ रहा या टीम इंडिया जीतने सफल रही तो साल 2007 के बाद भारत इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीतने में कामयाबी हासिल करेगा।

शार्दूल की तारीफ का सिलसिला जारीःरोहित बोले-

शार्दूल को भी मैन ऑफ द मैच मिलना चाहिए था, उनकी बैटिंग कौन भूल सकता है और 2 अहम विकेट लिए

पहली पारी		दूसरी पारी
57	रन	60
36	गेंद	72
07	चौके	07
03	छक्के	01
158.33	S/R	83.33

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

ओवल टेस्ट में बल्ले और गेंद से कमाल दिखाने वाले शार्दूल की तारीफों का सिलसिला जारी है। इस टेस्ट के मैन ऑफ द मैच चुने गए रोहित शर्मा ने कहा कि शार्दूल ने शानदार खेल दिखाया। उन्हें भी मेरे साथ मैन ऑफ द मैच दिया जाना था। रोहित ने इस टेस्ट की दूसरी पारी में 127 रन बनाए थे। शार्दूल ने 60 रन बनाए और 2 अहम विकेट लिए। रोहित ने कहा, मैं बहुत खुश हूं। खासतौर से तब, जब आप इन देशों में जाते हैं और आपको पता होता है कि आप 2-1 से आगे हैं। आप किसी भी दिन जीत सकते हैं। अब तक इस सीरीज में हमने जो जान लगाई है, यह उसका नतीजा है। अभी यह खत्म नहीं हुआ है। हमें पता है कि अभी एक मैच बाकी है। उम्मीद करता हूं कि केवल बैटिंग और बॉलिंग यूनिट नहीं, पूरी टीम उस लक्ष्य के लिए मिलकर काम करेगा, जिसे हम एक टीम के तौर पर हासिल करना चाहते हैं। हमने इस सीरीज में कुछ शानदार चीजें की हैं और हम जानते हैं कि हम विजेता के तौर पर इस दौरे को खत्म कर सकते हैं। लेकिन, यह भी साफ है कि हमें चीजें उसी तरह से करनी है, जैसे अब तक हम करते आए हैं। मुझे लगता है कि शार्दूल की कोशिशें मैच विनिंग थीं। ईमानदारी से कहूं तो मुझे लगता है, जो प्रयास उसने किए, उसके लिए वह भी मैन ऑफ द मैच का हकदार है। जब इंग्लैंड बिना कोई विकेट खोए 100 रन बना चुका था, जब उसने टीम को अहम ब्रेकथ्रू दिलाया।

जर्मनी के ऑस्कर ओट्टे, न्यूयॉर्क में यूएस ओपन टेनिस चैंपियनशिप के चौथे दौर में इटली के माटेओ बेरेटिनी के खिलाफ मैच के दौरान नेट पर गिर गए।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते है
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहे हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC ITDC NEWS

शास्त्री-कोहली से बीसीसीआई नाराज : कैप्टन और कोच भीड़भाड़ वाली इवेंट में गए, मंजूरी भी नहीं ली

अब शास्त्री के अलावा 2 और कोच कोरोना संक्रमित

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

टीम इंडिया ने शानदार अंदाज में ओवल टेस्ट जीतकर देश को फख्र का मौका दिया है, पर बीसीसीआई टीम के कोच रवि शास्त्री और कैप्टन विराट कोहली से नाराज बताया जा रहा है। दरअसल, पिछले हफ्ते शास्त्री और विराट लंदन में एक भीड़भाड़ वाली इवेंट में शामिल हुए थे। इसके बाद रविवार को शास्त्री कोरोना संक्रमित हो गए।

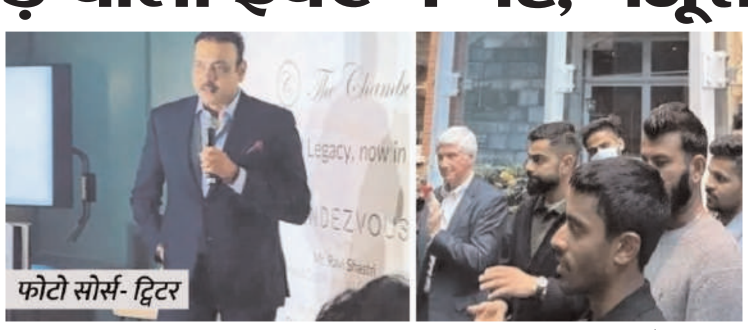

फोटो सोर्स- ट्विटर

इंग्लैंड दौरे और टीम की सेहत को खतरे में डालाः- टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, शास्त्री और कोहली कुछ दूसरे टीम मेंबर्स के साथ बुक लॉन्च इवेंट में गए थे। दोनों स्टेज पर भी गए। इस इवेंट में जाने के लिए इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड से मंजूरी भी नहीं ली गई थी। जब टीम इस इवेंट में पहुंची तो पूरा कमरा लोगों से भरा था। बीसीसीआई इसी लापरवाही पर नाराज है, क्योंकि कोरोना महामारी के दौरान ये कदम टीम के स्वास्थ्य और पूरे दौरे को संकट में डाल सकता था। इस इवेंट के कुछ ही दिन बाद शास्त्री की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। रविवार को शास्त्री के करीब बॉलिंग कोच भरत अरुण और फील्डिंग कोच आर श्रीधर थे। सोमवार को इनकी टेस्ट रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई। टीम के फीजियो नितिन पटेल अभी भी आइसोलेशन में हैं।

मैनचेस्टर में सख्त नियमों का सामना करेगी टीमः- सोशल मीडिया पर आई इस इवेंट की फोटोज बीसीसीआई के साथ शेयर की गई हैं। बोर्ड इस मामले की जांच करेगा। शास्त्री और कोहली से भी जवाब मांगा जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, इस घटना से बोर्ड शर्मसार महसूस कर रहा है। इस मामले में बोर्ड टीम के एडमिनिस्ट्रेटिव मैनेजर गिरीश डोंगरे के रोल की भी जांच कर रही है। बीसीसीआई अब इंग्लिश क्रिकेट बोर्ड के साथ लगातार संपर्क में है और ये भरोसा दिलाने की कोशिश कर रहा है कि आगे ऐसी घटना नहीं होगी। हालांकि, इस घटना के बाद अब मैनचेस्टर में इंग्लैंड और टीम इंडिया को सख्त नियमों का सामना करना पड़ेगा। सूत्र ने बताया कि मैनचेस्टर में बायोबबल बेहद सख्त रहेगा। इस टेस्ट के 5 दिन बाद ढ्ढक्क भी शुरू हो रहा है और,श्व में होने वाले इस टूर्नामेंट में भी प्लेयर्स बायोबबल में ही जाएंगे।

न्यूज़ ब्रीफ

एलआईसी से बैंकर लेंगे 1 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) का प्रबंधन करने वाले निवेश बैंकरों ने इसके लिए सरकार द्वारा तय न्यूनतम आधार मूल्य जितने यानी 1 करोड़ रुपये शुल्क की मांग की है। मामले की जानकारी रखने वाले कम से कम चार लोगों ने इसकी पुष्टि की। यह शुल्क एलआईसी की शेयर बिक्री के प्रबंधन के लिए चुने गए 10 बैंकों के बीच बांटा जाएगा। देसी बाजार में यह अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ होगा, जिससे शेयर बिक्री में शामिल बैंकों को भी काफी फायदा होगा।सूत्रों के अनुसार निवेश एवं लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) ने गोल्डमैन सैक्स, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज, जेपी मॉर्गन, सिटीग्रुप, ऐक्सिस कैपिटल, नोमुरा, बैंक ऑफ अमेरिका, एसबीआई कैपिटल मार्केट्स और जेएम फाइनैंशियल को चुना है। एलआईसी की शेयर बिक्री का जिम्मा संभालने की दौड़ में कुल 16 निवेश बैंक शामिल थे। सूत्रों के अनुसार दीपम ने बैंकों की वित्तीय बोली और उनके पिछले रिकॉर्ड को देखते हुए बैंकों का चयन किया है। एक निवेश बैंकर ने कहा, कुछ बैंकों ने सरकार द्वारा तय आधार मूल्य पर बोली नहीं लगाई, जिसकी वजह से उन्हें नहीं चुना गया। बैंकों के अलावा बीमा क्षेत्र के आईपीओ को जिम्मा संभालने वालों को प्राथमिकता दी गई है। सरकार ने पहली बार सार्वजनिक उपक्रम की शेयर बिक्री का प्रबंधन करने के लिए न्यूनतम शुल्क की घोषणा की है। एलआईसी के आरएफपी के अनुसार बोलीदाताओं को 1 करोड़ रुपये या अधिक की वित्तीय बोली जमा करनी थी। अतीत में आधार शुल्क तय नहीं होने की वजह से बैंकरों ने बड़ी शेयर बिक्री जैसे कोल इंडिया आदि के लिए महज 1 रुपये सांकेतिक शुल्क पर बोली लगाई थी।

कम पानी में फलों की खेती से सुधर सकता है भविष्य

नई दिल्ली। मैं अपने करीब के जिस नाशपाती के पेड़ को देख रही हूं, वह फलों के भार से जमीन की ओर झुक गया है। इस 50 वर्ष पुराने फलों के बाग में हर वृक्ष पर 50-100 किलोग्राम फल होते हैं। इसके बाद मेरी नजर अमरुद, आड़ू और आलूबुखारा, कीनू तथा अन्य फलों के वृक्षों पर जाती है। वहां खजूर का वृक्ष भी था। जी नहीं, मैं इजरायल नहीं गई थी। मैं पंजाब के फाजिल्का जिले के अबोहर की बात कर रही हूं जो पाकिस्तान की सीमा से लगा हुआ है। उसके बाद मैं राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में भी गई। यह नहर का क्षेत्र है जिसे इंदिरा गांधी नहर के नाम से भी जाना जाता है। यह देखना अद्भुत है कि कैसे पानी जमीन को बदल सकता है।

सरकार की विनिवेश योजना

एयर इंडिया के लिए 15 सितंबर तक बोलियां मिलने की उम्मीद

आईपीओ से पहले एलआईसी में एफआईआई को मिल सकती है निवेश की इजाजत

» **बोलियां मिलने के बाद तय होगा एयर इंडिया का रिजर्व प्राइस**

» **एलआईसी एक्ट में कंपनी में विदेशी निवेश के लिए कोई प्रावधान नहीं**

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

सरकार को एयर इंडिया के लिए 15 सितंबर तक बोलियां मिलने की उम्मीद है। सूत्रों के मुताबिक कंपनी ग्राहकों को कितने में ऑफर की जाएगी, उसके लिए रिजर्व प्राइस बोलियां मिलने के बाद तय किया जाएगा।

FII/FPI को एलआईसी में प्री-आईपीओ इनवेस्टमेंट की इजाजत मिल सकती है

खबर यह भी है कि सरकार देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी एलआईसी के प्री-IPO फंडिंग प्रोग्राम में विदेशी निवेशकों को पैसा लगाने की इजाजत दे सकती है। कंपनी में IPO से पहले FII/FPI यानी फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर/फॉरेन पोर्टफोलियो इनवेस्टर को निवेश करने की इजाजत देने पर फिलहाल विचार किया जा रहा है। इंश्योरेंस में FDI की लिमिट एलआईसी पर लागू नहीं होती। ऐसा इसलिए क्योंकि एलआईसी एक्ट में कंपनी में विदेशी निवेश के लिए कोई प्रावधान नहीं है।

एयर इंडिया के लिए 15 सितंबर तक बिड मिलने की उम्मीद

केंद्रीय नागर विमानन राज्य मंत्री वीके सिंह ने जुलाई में संसद को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कंपनी के लिए 15 सितंबर तक फाइनेंशियल बिड मिलने की उम्मीद जताई थी। उन्होंने कहा था कि पिछले साल 14 दिसंबर तक अभिरुचि पत्र देने की अंतिम तारीख तय की गई थी। EY को कई कंपनियों की श्वश्ह्र मिले थे। वीके सिंह ने कहा था कि निजीकरण के बाद एयरलाइन की चल संपत्तियां नए मालिक के हवाले कर दी जाएंगी। कंपनी का कर्ज घटाने के लिए उसकी अचल संपत्तियों को मोनेटाइज किया जा रहा है।

देनदारियां 2024-25 तक 20 अरब डॉलर से ज्यादा हो सकती हैं

एविएशन कंसल्टेंसी फर्म कापा इंडिया ने अपने इंडिया एविएशन आउटलुक FY22 में कहा था कि कंपनी की देनदारियां 2024-25 तक 20 अरब डॉलर से ज्यादा हो सकती हैं। इसमें कोविड के चलते स्नङ्घ21 और स्नङ्घ22 के दौरान हुआ उसका घाटा भी शामिल होगा। एयर इंडिया 2007 में इंडियन एयरलाइंस में विलय के बाद से कभी नेट प्रॉफिट में नहीं रही है। कंपनी को मार्च 2021 में खत्म तिमाही में ?9,500- ?10,000 करोड़ का घाटा होने का अनुमान लगाया गया है। सरकार यह वित्त वर्ष खत्म होने से पहले एयर इंडिया में अपनी पूरी हिस्सेदारी बेच देना चाहती है। हालिया जानकारी के मुताबिक टाटा ग्रुप होड़ में सबसे आगे थी और स्पाइसजेट के सीएमडी अजय सिंह निजी तौर पर बोले देने के लिए शॉर्टलिस्ट किए गए थे।

रियल वर्ल्ड में वर्चुअल करेंसी का 'एक्सपेरिमेंट'

अल सल्वाडोर में अब बिटकॉइन भी हुई लीगल करेंसी, सालाना 40 करोड़ के रेमिटेंस कमीशन की बचत होगी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारत सहित दुनियाभर के देशों के सेंट्रल बैंक क्रिप्टोकरेंसी को लीगल करेंसी का दर्जा देने को तैयार नहीं है। लेकिन, अल सल्वाडोर बिटकॉइन को लीगल टेंडर के तौर पर अपनाने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है। कहने का मतलब यह है कि सेंट्रल अमेरिका के इस देश के लोग वित्तीय लेन-देन के लिए बिटकॉइन का इस्तेमाल कर सकते हैं।

मनी लॉन्ड्रिंग को बढ़ावा मिलने की आशंका:- रियल वर्ल्ड में क्रिप्टोकरेंसी के एक्सपेरिमेंट का समर्थन करने वालों का कहना है कि इससे अल सल्वाडोर में हर साल विदेश से आने वाले अरबों डॉलर के फंड पर लगने वाला कमीशन कम हो जाएगा। हालांकि, वर्चुअल करेंसी को लीगल टेंडर के तौर पर अपनाने का विरोध करने वालों का कहना है कि इससे मनी लॉन्ड्रिंग को बढ़ावा मिल सकता है।

बिटकॉइन में बेहिसाब उतार-चढ़ाव से चिंता:- हालांकि क्रिप्टोकरेंसी अपनाने को लेकर हुए सर्वे के मुताबिक अल सल्वाडोर के लोग बिटकॉइन के इस्तेमाल को लेकर सशंकित नजर आ रहे हैं। उनकी चिंता उसमें होने वाले बेहिसाब उतार-चढ़ाव को लेकर है। आलोचकों का कहना है कि इससे फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशंस के लिए रेगुलेटरी और फाइनेंशियल रिस्क बढ़ेगा।

बचेगा 40 करोड़ डॉलर का रेमिटेंस कमीशन:- अल सल्वाडोर में क्रिप्टोकरेंसी अपनाने के प्लान को बढ़ावा वहां के जवान और लोकप्रिय प्रेसिडेंट हड्ड4द्बद्ब ड्ढह्वद्मद्गद्यद्ग दे रहे हैं। प्रेसिडेंट चाहते हैं कि विदेश, खासतौर पर अमेरिका में रहने वाले उनके हमवतन हर साल अरबों डॉलर स्वदेश भेजने के लिए कमीशन के तौर पर जो 40 करोड़ डॉलर खर्च करते हैं, वो बच जाएं।

देश और विदेश में भारतीय धरोहर

नई दिल्ली। अगस्त के पहले सप्ताह में मीडिया में रिपोर्ट आईं कि कैनबरा स्थित नैशनल गैलरी ऑफ ऑस्ट्रेलिया ने 14 प्राचीन भारतीय पेंटिंग और कलाकृतियां लौटाने का निर्णय लिया है जिनमें 12वीं सदी के बाल संत संबंदर की नृत्य मुद्रा वाली मूर्ति शामिल है। इन कलाकृतियों को सुभाष कपूर नामक न्यूयॉर्क का एक पूर्व आर्ट डीलर तस्करी करके ले गया था। इन बेशकीमती वस्तुओं के बारे में पूरी जानकारी शायद कभी सामने न आए पाए जिनमें मुगल बादशाहों का वह मयूर सिंहासन भी शामिल है जिसे मार्च 1739 में नादिर शाह दिल्ली से लूट कर ले गया था। तुलनात्मक रूप से देखा जाए तो उन भारतीय कलाकृतियों और मूल्यवान वस्तुओं का बेहतर लेखाजोखा मौजूद है जिन्हें ईस्ट इंडिया कंपनी के रॉबर्ट क्लाइव तथा भारत में काम करने वाले अन्य ब्रिटिश सरकार के प्रशासक सन 1858 से 1947 के बीच यहां से ले गए।

निजी कंपनियों के लिए रसोई गैस में बढ़े मौके

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

अब सरकार घरों में इस्तेमाल होने वाली तरलीकृत पेट्रोलियम गैस यानी रसोई गैस (एलपीजी) पर नहीं के बराबर सब्सिडी दे रही है, इसलिए निजी उद्यमी अपने घरेलू एलपीजी कारोबार को बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। इससे रिलायंस गैस, गोगैस और प्योरगैस जैसी कंपनियों के लिए संभावनाएं ज्यादा बढ़ गई हैं, जो पहले ही इस कारोबार में मौजूद हैं। ये निजी कंपनियां व्यावसायिक एलपीजी पर ज्यादा ध्यान दे रही थीं क्योंकि उन्हें रसोई गैस सब्सिडी नहीं मिलती थी। यह सब्सिडी केवल सरकार के स्वामित्व वाली तेल विपणन कंपनियों को मिलती थी। एलपीजी की वैश्विक कीमतें घटने और मई 2020 में सरकार द्वारा चुपके से रसोई गैस सब्सिडी खत्म किए जाने से निजी उद्यमियों के लिए घरेलू बाजार में मौके बढ़े हैं। एलपीजी की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बावजूद सरकार ने इस पर सब्सिडी बहाल नहीं की है। राष्ट्रीय राजधानी में 14.2 किलोग्राम के घरेलू एलपीजी सिलिंडर की लागत 884.50 रुपये आ रही है। पिछली सरकारों ने एलपीजी की कीमतों को 500 रुपये प्रति सिलिंडर से नीचे रखने की कोशिश की थी, लेकिन मौजूदा सरकार ने इसकी कीमतें पूरी तरह बाजार के हवाले कर दी हैं। इससे रिलायंस गैस जैसी कंपनियों को घरेलू एलपीजी कारोबार में आक्रामक तरीके से उतरने में मदद मिल सकती है क्योंकि वह एलपीजी की प्रतिस्पर्धी कीमतें तय कर सकती है।

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्तम्भ।

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, टिवीटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

सेविंग्स अकाउंट, एफडी और आरडी पर मिलने वाले ब्याज पर भी देना होता है टैक्स

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

वित्त वर्ष 2020-21 के लिए 30 सितंबर तक इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करना है। ITR फाइल करते समय अपनी आय की सही जानकारी देना जरूरी होता है। कई लोगों को इस बात का पता नहीं रहता है कि सेविंग अकाउंट, फिक्स्ड डिपॉजिट और रिकरिंग डिपॉजिट पर मिलने वाले ब्याज पर भी इनकम टैक्स देना होता है।

इनसे मिलने वाले ब्याज को माना जाता है अन्य सोर्स से इनकम

इनकम टैक्स एक्ट के तहत इन सेविंग्स स्कीम्स से मिलने वाले ब्याज को अन्य सोर्स से इनकम माना जाता है। आज सीए अभय शर्मा आपको बता रहे हैं कि इन तीनों निवेशों पर ब्याज से होने वाली आय पर टैक्स कितना लगता है।

सेविंग्स अकाउंट

इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80TTA के तहत बैंक/को-ऑपरेटिव सोसायटी/पोस्ट ऑफिस के सेविंग्स अकाउंट के मामले में ब्याज से सालाना 10 हजार रुपए तक की आय टैक्स फ्री है। इसका लाभ 60 साल से कम उम्र के व्यक्ति या HUF (संयुक्त हिन्दू परिवार) को मिलता है। वहीं सीनियर सिटीजन के लिए ये छूट 50 हजार रुपए है। इससे ज्यादा आय होने पर TDS काटा जाता है। पोस्ट ऑफिस सेविंग्स अकाउंट से होने वाली सालाना ब्याज आय पर सेक्शन 10(15) के तहत 3500 रुपए तक का अतिरिक्त डिडक्शन क्लेम कर सकते हैं। यह अतिरिक्त डिडक्शन 10000/50000 रुपए वाली लिमिट के अलावा मिलता है।

फिक्स्ड डिपॉजिट

अगर एक वित्त वर्ष में बैंक एफडीपर मिलने वाला ब्याज 40 हजार रुपए से कम है तो इस पर कोई टैक्स नहीं देना होता। यह लिमिट 60 साल से कम उम्र के लोगों के लिए है। वहीं 60 साल से ज्यादा उम्र यानी सीनियर सिटीजन की एफडीसे 50 हजार रुपए तक की आय टैक्स फ्री होती है। इससे ज्यादा आय होने पर 10% TDS काटा जाता है।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।